twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली DD

divyadelhi.com | मंगलवार, 15 अप्रैल, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 159, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

पीएम से हरियाणा को मिली परियोजनाओं की सौगात

विकसित भारत-विकसित हरियाणा समारोह बना हरियाणा के विकास का साक्षी

तेलंगाना ने एससी आरक्षण को तीन ग्रुप में बांटा

हैदराबाद
तेलंगाना ने आंबेडकर जयंती पर अनुसूचित जाति (एससी) वर्गीकरण के कार्यान्वयन पर एक सरकारी आदेश जारी किया। तेलंगाना आधिकारिक तौर पर ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने इसकी जानकारी दी। तेलंगाना सरकार ने पहले एससी वर्गीकरण पर रिटायर हाई कोर्ट के जज जस्टिस शमीम अख्तर की अध्यक्षता में एक आयोग नियुक्त किया था। आयोग ने सिफारिशें की थीं कि 59 अनुसूचित जाति (एससी) समुदायों को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में कुल 15 प्रतिशत आरक्षण के लिए तीन समूहों क, कक और ककक में विभाजित किया जाना चाहिए।

किसे मिलेगा आरक्षण का लाभ
तेलंगाना विधानमंडल के निम्नलिखित अधिनियम को 8 अप्रैल 2025 को तेलंगाना के राज्यपाल की स्वीकृति प्राप्त हुई और उसको सर्वप्रथम 14 अप्रैल 2025 को तेलंगाना राजपत्र में आम जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है। समूह-एक में सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से वंचित 15 अनुसूचित जाति समुदाय शामिल हैं, जिन्हें एक प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। समूह-2 में 18 मध्यम रूप से लाभान्वित अनुसूचित जाति समुदाय शामिल हैं, जिन्हें 9 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है, जबकि समूह-3 में 26 उल्लेखनीय रूप से लाभान्वित अनुसूचित जाति समुदाय शामिल हैं, जिन्हें पांच प्रतिशत आरक्षण दिया गया है।

चंडीगढ़
संविधान शिल्पी बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेशवासियों को विकास परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने दीनबंधु छोटूराम थर्मल पावर प्लांट, यमुनानगर में लगभग 8469 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 800 मेगावाट की तीसरी इकाई का शिलान्यास किया। इसके अलावा, यमुनानगर में 90 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने वाले गोबर-धन संयंत्र का शिलान्यास और लगभग 1069 करोड़ रुपये से निर्मित रेवाड़ी बाइपास का भी उद्घाटन किया। समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह, केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्ण पाल, हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज, कृष्ण लाल पंवार और श्याम सिंह राणा भी मौजूद रहे। ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हरियाणा पावर जनरेशन कार्पोरेशन लिमिटेड (एचपीजीसीएल) को दीनबंधु छोटूराम थर्मल पावर प्लांट, यमुनानगर में 800 मेगावाट की तीसरी इकाई स्थापित करने की अनुमति दी गई। यह परियोजना यमुनानगर में दीनबंधु छोटूराम थर्मल पावर प्रोजेक्ट में 2300 मेगावॉट इकाइयों वाले मौजूदा संयंत्र का विस्तार है। इस तीसरी इकाई के निर्माण के लिए 233 एकड़ भूमि का उपयोग किया जाएगा। इस परियोजना को पूरा करने के लिए 52 महीने की समय सीमा तय की गई है, जबकि वाणिज्यिक संचालन 48 महीनों के अंदर यानि मार्च, 2029 तक शुरू हो जाएगा। इस इकाई से हरियाणा की घरेलू ऊर्जा उत्पादन क्षमता 3,382 मेगावॉट तक बढ़ जाएगी।

रेवाड़ी बाईपास का उद्घाटन
रेवाड़ी बाईपास परियोजना को भारतमाला परियोजना के अंतर्गत हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर लगभग 1069 करोड़ रुपये से विकसित किया गया है। यह चार लेन का बाईपास रेवाड़ी शहर के चारों ओर बनाया गया है, ताकि शहर की ट्रैफिक भीड़ को कम किया जा सके।

बाबा साहेब के संदेश के साथ आगे बढ़ रही है सरकार: मोदी

चंडीगढ़
देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार ने अपने 10 साल के कार्यकाल में भारत रत्न बाबा साहेब डा.भीमराव अंबेडकर के आदर्शों को आत्मसात करते हुए उनके जन्म स्थल से लेकर शिक्षा, दीक्षा व महानिर्वाण स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करते हुए प्रेरणादायक संदेश दिया है। केंद्र सरकार का लक्ष्य वंचित, गरीब, शोषित, पीड़ित वर्ग के अधिकारों की रक्षा करना व उनके जीवन का उत्थान करना है। सरकार अपने वादे के अनुरूप हवाई चप्पल पहनने वाले गरीब लोगों द्वारा देखे गए हवाई सफर के सपने को साकार कर रही है।

हरियाणा में हुआ एक नई दिशा, नई उड़ान और एक नए युग का आरंभ

चंडीगढ़
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा प्रदेश केंद्र सरकार की जनहितकारी योजनाओं को क्रियांवित करने के साथ ही आमजन की सेवा में प्रभावी रूप से अपनी जिम्मेवारी निभा रही है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हरियाणा ट्रिपल इंजन सरकार के साथ विकास में सहभागी बन रहा है। मुख्यमंत्री सोमवार को हिसार में भारत रत्न बाबा साहेब डा.भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से हवाई सेवाओं के शुभारंभ व टर्मिनल-2 के शिलान्यास अवसर पर आयोजित संकल्प की उड़ान समारोह में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 14 अप्रैल का यह दिन हम सबके लिए बड़ा ही ऐतिहासिक है। आज हम सब उस क्षण के साक्षी बन रहे हैं, जब हिसार की इस पावन भूमि पर नवनिर्मित महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से भगवान राम की नगरी अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तक हवाई उड़ानों का शुभारंभ शुरू हो गया है। साथ ही हरियाणा के इस पहले एयरपोर्ट के दूसरे टर्मिनल के भवन का शिलान्यास भी विकास की दिशा में अहम कदम है। उन्होंने कहा कि हिसार ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में एक नया जोश है, एक नई चमक है।

विकसित भारत के मानचित्र पर विकसित हरियाणा की भी होगी तस्वीर: सैनी

चंडीगढ़
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना मानते हैं, अपना समझते हैं और उनसे हक से अपनी बात कहते हैं। प्रधानमंत्री के प्रति जनता में अटूट विश्वास और गहरे जुड़ाव की भावना है। इसीलिए प्रदेश की जनता ने प्रधानमंत्री की नीति, नीयत और नेतृत्व पर पूर्ण जनसमर्थन की मुहर लगाकर तीसरी बार ऐतिहासिक जनादेश दिया। प्रधानमंत्री के वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट बनाने के संकल्प में हरियाणा पूर्ण सहभागिता निभाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस संकल्प सिद्धि में हरियाणा देश के साथ कदम से कदम और कंधे से कंधा मिलाकर चलेगा और विकसित भारत के मानचित्र पर विकसित हरियाणा की भी तस्वीर होगी। मुख्यमंत्री आज यमुनानगर में आयोजित विकसित भारत-विकसित हरियाणा समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करने उपरांत उपस्थितजन को संबोधित कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों की ओर से मां सरस्वती की गोद में बसी पावन नगरी यमुनानगर में आने पर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। उन्होंने भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी की 135वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि आज हम सभी हरियाणावासियों के लिए बहुत बड़ा और शुभ दिन है।

मीटरों के लिए बनाए मसौदा नियम

नई दिल्ली
केंद्र सरकार ने विधिक माप विज्ञान (सामान्य) नियम, 2011 के तहत गैस मीटरों के लिए मसौदा नियम तैयार किए हैं। इस नियम के तहत व्यापार और वाणिज्य के लिए उपयोग में लाए जाने से पहले गैस मीटरों का परीक्षण, सत्यापन और स्टाम्पिंग अनिवार्य होगा। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि विभाग ने विधिक मापविज्ञान (सामान्य) नियम, 2011 के तहत गैस मीटरों के लिए मसौदा नियम तैयार करके उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने, न्यायसंगत व्यापार पद्धतियों को बढ़ावा देने और गैस के उपयोग में सटीक माप सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने (सोमवार) 14 साल से नंगे पांव चल रहे कैथल के रामपाल कश्यप को अपने हाथों से जूते पहनाए। उस समय रामपाल कश्यप ने संकल्प लिया था कि जब तक नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं बन जाते, तब तक वह नंगे पांव चलेंगे और जूते नहीं पहनेंगे। पीएम मोदी ने आज उन्हें जूते पहनाने के बाद आशीर्वाद दिया और काम करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि काम में जुट जाओ।

भगोड़ा मेहुल चोकसी बेल्जियम में गिरफ्तार

नई दिल्ली
भगोड़े मेहुल चोकसी को बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया गया है। भारत को हजारों करोड़ रुपये के पीएनबी ऋण घोटाले में उसकी तलाश है। भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध पर बेल्जियम ने चोकसी के खिलाफ एक्शन लिया है। जानकारी के मुताबिक मेहुल बेल्जियम के एंटवर्प में अपनी पत्नी प्रीति चोकसी के साथ रह रहा था। उसने वहां का रेजिडेंसी कार्ड भी हासिल कर लिया था। भारतीय अधिकारियों ने बेल्जियम के अधिकारियों से मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया जल्द शुरू करने का अनुरोध किया। इसके बाद वहां के प्रशासन ने चोकसी को हिरासत में लिया। चोकसी की पत्नी प्रीति के पास बेल्जियम की नागरिकता है। इस बीच उसने भी बेल्जियम का 'एफ रेजीडेंसी कार्ड' हासिल किया और इसी के सहारे अपनी पत्नी के साथ रहने लगा। ऐसा माना जाता है कि चोकसी बेल्जियम जाने से पहले एंटीगुआ और बारबुडा में भी रह चुका है। भारत को 13,500 करोड़ रुपये के पीएनबी ऋण धोखाधड़ी मामले में उसकी तलाश है।

फर्जी दस्तावेज पर बेल्जियम में ठहरा था चोकसी
मीडिया रिपोर्ट में दावा है कि चोकसी बेल्जियम से स्विट्जरलैंड जाने की फिराक में था। मगर उससे पहले ही उसे धर दबोचा गया। फर्जी दस्तावेजों और झूठे शपथपत्र के माध्यम से चोकसी ने बेल्जियम में निवास हासिल किया था। बता दें कि मेहुल चोकसी और उसके भतीजे नीरव मोदी ने फर्जी लेटर ऑफ अंडरटेकिंग के माध्यम से पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से 13,500 करोड़ रुपये का लोन हासिल किया था। घोटाले का खुलासा होने से पहले दोनों देश से बाहर जा चुके थे। नीरव मोदी लंदन की जेल में बंद है। वह भारत में अपने प्रत्यर्पण का विरोध कर रहा है।

राष्ट्रपति और राज्यपाल की मंजूरी पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को चुनौती दे सकती है केंद्र सरकार

नई दिल्ली
केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के उस निर्णय पर पुनर्विचार याचिका दायर कर सकती है, जिसमें राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए समय सीमा निर्धारित की गई है। समय सीमा की समीक्षा की मांग के अलावा सरकार उस आदेश की समीक्षा की मांग कर सकती है, जिसके अनुसार यदि राज्यपाल द्वारा विचार के लिए भेजे गए विधेयक पर राष्ट्रपति अपनी मंजूरी नहीं देते हैं, तो राज्य सरकारें सीधे सुप्रीम कोर्ट से संपर्क कर सकती हैं। सूत्रों ने बताया कि इस मुद्दे पर सरकार के शीर्ष स्तर पर सक्रिय विचार-विमर्श चल रहा है। पूरी संभावना है कि सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर की जाएगी। यह याचिका किस आधार पर दायर की जाएगी, इस पर विचार किया जा रहा है और सरकार के सुप्रीम कोर्ट में जाने के बाद ही इसका पता चल सकेगा। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राज्यपाल द्वारा विचार के लिए भेजे गए विधेयकों पर राष्ट्रपति को तीन महीने में निर्णय लेना होगा।

इस पीठ के समक्ष दायर करनी होगी पुनर्विचार याचिका
सूत्रों ने बताया कि अगर सरकार सुप्रीम कोर्ट जाती है, तो उसे पुनर्विचार याचिका जस्टिस जेबी पारदीवाल और जस्टिस आर महादेवन की उसी पीठ के समक्ष दायर करनी होगी, जिसने फैसला सुनाया था।

असम में हिंसक हुआ वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन

कछार
पश्चिम बंगाल के बाद असम के कछार जिले में वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ हिंसा भड़क उठी। हालांकि मुस्तैद पुलिस जवानों ने तुरंत हालात पर काबू पाया। कछार पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मगर अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस के मुताबिक विरोध प्रदर्शन में शामिल कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों पर पत्थरबाजी की। जवाब में पुलिस ने भी प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया।

बिना अनुमति निकाली रैली
पुलिस के अनुसार रविवार को मुस्लिम समुदाय के लगभग 300-400 लोगों ने कछार जिले के बेरेंगा इलाके में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ रैली निकाली। मगर रैली की अनुमति नहीं ली गई थी। इस पर पुलिसकर्मियों ने रैली को रोकने की कोशिश की तो प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाकर्मियों पर पथराव करना शुरू कर दिया। बाद में पुलिस जवानों ने लाठीचार्ज करके भीड़ को तितर-बितर किया।

कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश
कछार जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) नुमाल महत्ता का कहना है कि रैली बिना अनुमति के निकाली गई थी। पंचायत चुनाव की वजह से आदर्श आचार संहिता लागू है।
इस कारण रैली की अनुमति लेना जरूरी था। जब हमें सूचना मिली तो हम मौके पर पहुंचे और भीड़ को तितर-बितर किया।

अमेरिका की तरह बन जाएंगी नॉर्थ ईस्ट की सड़कें: गडकरी

नई दिल्ली
केंद्र सरकार देशभर में हाईवे को मजबूत करने के लिए अगले दो साल में 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। पूर्वोत्तर क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और वहां की सड़कें अमेरिका की सड़कों के समान बनाई जाएंगी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी दी। गडकरी ने एक साक्षात्कार में कहा कि केंद्र का उद्देश्य देश के बुनियादी ढांचे को विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप बनाना है।

पूर्वी राज्यों में 784 हाईवे परियोजनाएं होंगी चालू
उन्होंने बताया कि पूर्वोत्तर में सड़क बुनियादी ढांचे को सुधारने की तत्काल आवश्यकता है, क्योंकि यह क्षेत्र भौगोलिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्वी राज्यों में 784 हाईवे परियोजनाएं चालू की जाएंगी, जिनकी अनुमानित लागत 3,73,484 करोड़ रुपये है।

अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने से ही बाबा साहेब के सच्चे अनुयायी कहलाएंगे: योगी

लखनऊ
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि उत्तर प्रदेश में जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर होगा। यह कार्यक्रम इसी महीने आगे बढ़ाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर गरीब-वंचित को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने के लिए पीएम मोदी की प्रेरणा से सरकार ने जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम को अपने हाथ में लिया है। जीरो पॉवर्टी का मतलब कोई गरीब-वंचित न रह पाए। वह सभी प्रकार की सुविधाओं से युक्त हो। पिछले 8 वर्ष में मुसहर, थारू, वनटांगिया, कोल, बुक्सा, चेरो, गोड़, सहरिया को पूरी तरह से सेचुरेट करने का कार्य किया गया। हर जरुरतमंद को सुविधाओं का लाभ दिलाया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती पर अंबेडकर महासभा की तरफ से सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में अपनी बातें रखीं। मुख्यमंत्री ने स्मारिका का भी विमोचन किया।

यूपी देश का पहला राज्य, जो जीरो पॉवर्टी के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कदम बढ़ाएगा
मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले चरण में 14-15 लाख परिवारों को जोड़ेंगे। हर ग्राम पंचायत में 20-25 ऐसे परिवार होंगे, जिन्हें बहुत सारी सुविधाएं नहीं मिली होंगी। डबल इंजन सरकार उन्हें वह सुविधा उपलब्ध कराएगी। सीएम ने कहा कि यह योजना इसलिए बाबा साहेब के नाम पर जानी जाएगी। क्योंकि देश में शैक्षणिक, सामाजिक व आर्थिक रूप से समुन्नत करने का दर्शन उन्होंने ही दिया था। यूपी देश का पहला राज्य होगा, जो जीरो पॉवर्टी के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कदम बढ़ाएगा।

वंचितों-दलितों को अधिकार दिलाना ही बाबा साहेब का संकल्प
सीएम योगी ने कहा कि 1891 में मध्य प्रदेश के महू में उनका जन्म हुआ। विलक्षण बुद्धि और कुछ करने की तमन्ना के भाव के कारण उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए इंग्लैंड की तरफ प्रस्थान का निश्चय किया। महाराजा बडोदरा ने छात्रवृत्ति दी, जिस पर वे वहां गए और दुनिया की उच्चतम शिक्षा की डिग्री हासिल कर वापस भारत आए। उनका एक ही संकल्प था कि कोटि-कोटि वंचितों-दलितों को उनका अधिकार दिलाना है। न सिर्फ देश, बल्कि नागरिकों की आजादी के लिए भी कार्य करना है। बाबा साहेब देश की आजादी के आंदोलन में कूद पड़े।

संविधान के कारण भारत ने सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में आज भी जमाई है धाक
मुख्यमंत्री ने कहा कि 1946 में संविधान सभा का गठन हुआ। पहली संगठित सरकार के न्याय मंत्री और संविधान समिति के ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने का अवसर मिला।

मुर्मु, धनखड़, मोदी और अन्य नेताओं ने अंबेडकर जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

● 'सभी देशवासियों की ओर से भारत रत्न पूज्य बाबासाहेब को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन।'

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला , प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य गणमान्य हस्तियों ने सोमवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती पर संसद परिसर में प्रेरणा स्थल पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, अर्जुन राम मेघवाल, पीयूष गोयल, सांसद एवं विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और अन्य नेताओं ने भी डॉ अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की। इससे पहले श्री मोदी ने अपने पोस्ट पर कहा, मैं सभी देशवासियों की ओर से भारत रत्न पूज्य बाबासाहेब को उनकी जयंती पर नमन करता हूं। आगे कहा, उनकी प्रेरणा के कारण ही आज देश सामाजिक न्याय के सपने को साकार करने में समर्पित भाव से लगा हुआ है। उनके सिद्धांत और आदर्श आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण को

शक्ति और गति प्रदान करेंगे। चौदह अप्रैल को अंबेडकर जयंती भारतीय राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक बी.आर. अंबेडकर की स्मृति में मनायी जाती है। बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर ने समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों के खिलाफ सामाजिक और जातिगत भेदभाव को खत्म करने के लिए जीवन भर दृढ़ता से काम किया। एक साधारण शुरुआत से वह स्वतंत्र भारत के पहले कानून और न्याय मंत्री बने।

पीडीए की एकता ही संविधान और आरक्षण बचाएगी: अखिलेश यादव

एजेंसी

लखनऊ । समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि पीडीए की एकता ही संविधान और आरक्षण बचाएगी। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती के पावन अवसर पर सबको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। आइए 'सामाजिक न्याय के राज' की स्थापना के लिए अपने 'स्वाभिमान-स्वमान' की अनुभूति को और सुदृढ़ करके, एकजुट होकर बाबासाहेब की देन व धरोहर 'संविधान और आरक्षण' बचाने के पीडीए के आंदोलन को नई ताकत प्रदान करें और दोहराएं कि 'संविधान ही संजीवनी' है और 'संविधान ही ढाल है' और ये भी कि जब तक संविधान सुरक्षित रहेगा, तब तक हम सबका मान-सम्मान-स्वाभिमान और अधिकार सुरक्षित रहेगा।उन्होंने आगे लिखा कि 'स्वमान' के तहत हमने अपने सौहार्दपूर्ण, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक मानक और मूल्यों के साथ ही अपनी 'स्वयं की एकता' के मूल्य को समझकर, इस

पीडीए रूपी एकजुटता की परिवर्तनकारी शक्ति का भी मान समझें। 'स्वाभिमान-स्वमान' के माध्यम से ही पीडीए समाज के लोग अपनी निर्णायक शक्ति हासिल करके उत्पीड़न, अत्याचार और पीड़ा से मुक्त होकर, स्वाभिमान से जीने का हक और अधिकार पा पाएंगे और दमनकारी, उत्पीड़नकारी, वर्चस्ववादी, प्रभुत्ववादी, शक्तिकामी नकारात्मक ताकतों को संवैधानिक जवाब दे पाएंगे। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने लिखा कि पीडीए की एकता ही संविधान और आरक्षण बचाएगी, पीडीए की एकजुटता ही सुनहरा भविष्य बनाएगी। आइए अपने 'स्वाभिमान-स्वमान' के इस संघर्ष को समारोह में बदल दें।

महू-नयी दिल्ली के बीच नई ट्रेन को हरी झंडी

एजेंसी

भोपाल। डॉ भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश को एक और एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात मिली है, जो डॉ अंबेडकर की जन्मस्थली राज्य के महू से नयी दिल्ली के बीच चलेगी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं ने कल इस एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस संबंध में डॉ यादव ने कल देर रात एक्स पर पोस्ट किया, 'मुझे यह जानकारी साझा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि आज बाबासाहेब की जयंती की पूर्व संध्या पर डॉ. अम्बेडकर नगर - नई दिल्ली 20155/56 एक्सप्रेस रेल सेवा को और अधिक सुदृढ़ करते हुए माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम

बिरला जी, माननीय केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी एवं केंद्रीय राज्य मंत्री बहन सावित्री ठाकुर जी, इंदौर सांसद श्री शंकर ललवानी जी और राज्यसभा सांसद सुश्री कविता पाटीदार जी के साथ नई ट्रेन सेवा का हरी झंडी (वर्चुअली) दिखाकर शुभारंभ किया। एक्सप्रेस क्रमांक 20156 नई दिल्ली से प्रतिदिन रात 23.25 बजे चलेगी और 848 किलोमीटर का सफर लगभग 13 घंटे में तय कर कोटा, नागदा, उज्जैन, देवास और इंदौर के रास्ते डॉ अंबेडकर नगर अगले दिन दोपहर 12.50 बजे पहुंचेगी। एक्सप्रेस क्रमांक 20155 प्रतिदिन डॉ अंबेडकर नगर से दोपहर 15.30 बजे चलकर सुबह 4.25 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि यात्रियों को अधिक सुविधा और ट्रेनों के विकल्प उपलब्ध कराने के लिए उद्देश्य से रेल मंत्रालय निरंतर कार्यरत है और मध्यप्रदेश सरकार राज्य में बेहतर परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है।

खरगे ने जयंती पर अंबेडकर को किया नमन

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने संविधान निर्माता बाबा साहब अंबेडकर को 135वीं जयंती पर नमन करते हुए आज श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री खरगे ने कहा 'बाबासाहेब डॉ आंबेडकर ने हम देशवासियों को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित भारत का संविधान दिया जो सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के लिए सबसे शक्तिशाली औजार है। उन्होंने देश की प्रगति व एकता के लिए समावेशिता को अपना परम कर्तव्य बताया और सभी के अधिकारों की रक्षा करने पर पुरज़ोर बल दिया।' उन्होंने कहा 'बाबा साहब की 135वीं जयंती पर हम सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक न्याय के उनके विचारों के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता पुनः

दोहराते हैं। कांग्रेस पार्टी ये शपथ लेती है कि हम संविधानिक मूल्यों की रक्षा व लोकतंत्र की सुरक्षा के लिये हमेशा प्रतिबद्ध रहेंगे।' श्रीमती वाड्रा ने कहा 'संविधान निर्माता, देश के पहले कानून मंत्री, 'भारत रत्न' बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन। बाबासाहेब के अथक प्रयासों से हमें हमारा संविधान मिला जिसने हर भारतीय के लिए सामाजिक न्याय, समता, बंधुत्व एवं मानव अधिकारों की गारंटी दी है। हमारा संविधान हर एक भारतीय का सुरक्षा कवच है और आज इस सुरक्षा कवच को तोड़ने की कोशिशें हो रही हैं। सत्ता के जोर से संविधान को कमजोर किया जा रहा है। आइए, संकल्प लें कि हम बाबासाहेब के संविधान और इसके मूल्यों की हर हाल में रक्षा करेंगे।'

मोदी ने हिसार एयरपोर्ट का उद्घाटन किया

● कहा -अब श्री कृष्ण जी की भूमि हरियाणा प्रभु राम की नगरी से जुड़ गई

● बहुत जल्द ही यहां से दूसरे शहरों के लिए भी उड़ाने शुरु होंगी।

एजेंसी

हिसार। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्य में कई परियोजनाओं के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिसार से अयोध्या के लिए वाणिज्यिक उड़ान को हरी झंडी दिखाई और हिसार के महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'हिसार से मेरी कितनी ही यादें जुड़ी हुई है। जब भाजपा ने मुझे हरियाणा की जिम्मेदारी दी थी तब यहां अनेक साथियों के साथ मैंने लंबे समय तक मिलकर काम किया था। इन सभी साथियों के परिश्रम ने भाजपा की नींव को हरियाणा में मजबूत किया है। आज मुझे गर्व होता है कि भाजपा विकसित हरियाणा विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर पूरी गंभीरता से काम कर रही है। पीएम मोदी ने कहा इसी मंत्र पर चलते हुए आज हरियाणा से अयोध्या धाम के लिए फ्लाइट शुरु हुई है। यानि अब श्री कृष्ण जी की पावन भूमि हरियाणा प्रभु राम की नगरी से सीधे जुड़ गई है। बहुत जल्द ही यहां से दूसरे शहरों के लिए भी उड़ाने शुरु होंगी। आज हिसार एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का

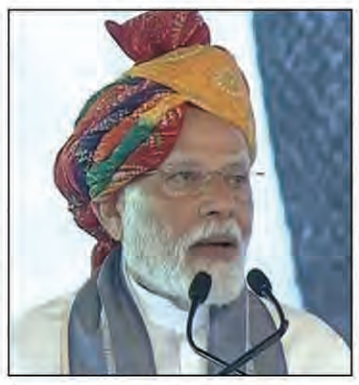

शिलान्यास भी हुआ है। ये शुरुआत हरियाणा की आकांक्षाओं को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाने की उड़ान है। मोदी ने कहा आज संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती है।उनका जीवन... उनका संघर्ष... उनका जीवन संदेश...हमारी सरकार की 11 साल की यात्रा का प्रेरणा-स्तंभ बना है।हर दिन, हर फैसला, हर नीति... बाबा साहेब अंबेडकर को समर्पित है। वंचित, पीड़ित, शोषित, गरीब, आदिवासी, महिलाएं... इनके जीवन में बदलाव लाना, इनके सपनों को पूरा करना हमारा मकसद है। इसके लिए निरंतर विकास, तेज विकास... यही भाजपा सरकार का मंत्र है।

वक्फ पर ईमानदारी से नहीं हुआ था काम, सिर्फ भू माफियों को हुआ लाभ : **पीएम मोदी-** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को अपने एक दिवसीय दौरे पर हरियाणा पहुंचे। इसके बाद पीएम मोदी ने जहां एक तरफ मंच से वक्फ कानून को लेकर अपनी सरकार की नई नीति के बारे में बताया, वहीं कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए बाबा साहेब अंबेडकर के अपमान का आरोप भी लगाया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में कहा, ÷वक्फ के नाम पर लाखों हेक्टेयर जमीन पूरे देश में है। इस जमीन से गरीबों का, बेसहारा महिलाओं-बच्चों का भला होना चाहिए था। अगर ईमानदारी से इसका उपयोग हुआ होता, तो मुसलमानों को साइकिल के पंचर बनाने की जरूरत नहीं होती।

मुर्शिदाबाद हिंसा : वक्फ के नाम पर लोगों को गुमराह किया, घरों से खींचकर की जा रही हत्या : योगी

'गुमराह करने की राजनीति हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी।'

एजेंस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को वक्फ संशोधन कानून का विरोध करने पर विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। सीएम योगी ने वक्फ को लेकर विपक्ष पर गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि वक्फ कानून के नाम पर हिंसा भड़काई जा रही है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद हिंसा पर भी चिंता जताई। लखनऊ में डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा, 'आप देखते होंगे दलितों की

झोपड़ी और जमीनों पर कब्जा करने वाले कुछ लोग इन्हीं दलों से जुड़े हुए होंगे। हमें आश्चर्य होता है कि यह (पश्चिम बंगाल) वही राज्य है, जहां वक्फ के नाम पर लाखों एकड़ जमीनों पर जबरन कब्जा किया गया था। उनके पास कोई कागज या राजस्व रिकॉर्ड नहीं है। अब जब वक्फ संशोधन विधेयक संसद में पारित हुआ है और इस पर कार्रवाई की जा रही है, तो इसके खिलाफ हिंसा भड़काई जा रही है।' उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में तीन हिंदुओं की निर्मम हत्या हुई है। उनके घरों से बाहर खींचकर, उनकी हत्या की गई है। ये सब कौन हैं? ये वहीं दलित, वंचित और गरीब हिंदू हैं, जिन्हें इस जमीन का सर्वाधिक लाभ मिलने वाला है। इन्हें भय है कि दलितों, वंचितों और गरीबों को अगर हाई राइज बिल्डिंग मिल जाएगी।

तो वोट बैंक समाप्त हो जाएगा, गुमराह करने की राजनीति हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी। इसलिए ये हिंसा भड़का रहे है। सीएम योगी ने कहा, 'तीन वर्ष पहले राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी बृजलाल ने एक पुस्तक लिखी थी। वह पुस्तक बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर और आजादी के समय दो महान दलित योद्धाओं के तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित थी।

सलमान खान को फिर मिली जान से मारने की धमकी

वर्ली ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के आधिकारिक नंबर पर भेजा गया धमकी भरा मैसेज

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। ताजा मामले में यह धमकी वॉट्सऐप के जरिए वर्ली ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के आधिकारिक नंबर पर भेजी गई। धमकी भरे इस मैसेज में सलमान खान को उनके घर पर मारने और उनकी गाड़ी को बम से उड़ाने की बात कही गई है। वर्ली पुलिस स्टेशन में इस मामले को लेकर एफआईआर दर्ज की गई है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, संदिग्ध व्यक्ति ने यह धमकी अज्ञात नंबर से भेजी है, जिसे अब ट्रेस करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक,

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोई जोखिम नहीं लिया जा रहा है। सलमान खान के आवास गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

केरल के मुख्यमंत्री ने लोगों को विशु भगवान की शुभकामनाएं दीं

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने राज्य के फसल उत्सव विशु के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने एक संदेश में कहा, विशु समृद्धि और प्रचुरता का प्रतीक है। यह उत्सव का समय है जब सभी लोग बेहतर और अधिक समृद्ध दिनों के लिए आशाओं और सपनों को साझा करने के लिए एक साथ आते हैं। उन्होंने कहा, यह त्यौहार हमें अपनी समृद्ध कृषि संस्कृति को पुनः प्राप्त करने की आवश्यकता की भी याद दिलाता है। हमारा देश विविधता और बहुलवाद का उद्गम स्थल है। विशु सहित हमारे त्यौहार सभी वर्गों के लोग एक साथ मिलकर मनाते हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व विपक्षी नेता रमेश चेन्निथला ने भी दुनिया भर के मलयाली लोगों को विशु की शुभकामनाएं दीं। विशु के पावन अवसर पर लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि विशु हमारी समृद्ध कृषि संस्कृति की

याद दिलाता है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि मलयाली एकजुट होकर विशु उत्सव में भाग ले रहे हैं ताकि एक समृद्ध नए दिन की शुरुआत हो सके और समृद्धि के युग की शुरुआत हो सके।

कांग्रेस ने अपने शासन में बाबासाहेब का नाम तक लेने से गुरेज किया : धर्मेंद्र प्रधान

'बाबासाहेब के जीवित रहते भी कांग्रेस द्वारा बार-बार उनका तिरस्कार किया गया।'

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उनका स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने 60 साल के शासन में बाबासाहेब का नाम तक लेने से गुरेज किया। शिक्षा मंत्री का कहना है कि बाबासाहेब के जीवित रहते भी कांग्रेस द्वारा बार-बार उनका तिरस्कार किया गया। उनके जाने के बाद उन्हें इतिहास के पटल से मिटाने की कोशिशें की गईं। आज पूरा देश बाबासाहेब की जयंती पर उन्हें नमन कर रहा है। बाबासाहेब का पूरा जीवन समतामूलक समावेशी समाज

बनाने के लिए समर्पित रहा। वे महान देशभक्त तथा स्वतंत्र भारत में लोकतंत्र की स्थापना के अग्रदूत थे। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे लोकतंत्र को संविधान रूपी महान उपहार बाबासाहेब से मिला है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, बाबासाहेब के विराट व्यक्तित्व और विचारों से प्रेरणा लेकर भारत और भारत का लोकतंत्र नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की जो परिकल्पना बाबा साहेब ने देश के सामने रखी थी, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश साकार कर रहा है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाबासाहेब के विचारों को लेकर भाजपा कार्यकर्ता एवं सरकार देश के कोने-कोने तक जा रहे हैं। गली-गली, गाँव-गाँव, कस्बे-कस्बे तक उनके महान विचारों को पहुंचाया जा रहा है। प्रधान ने कहा कि दुखद है कि इसके लिए देश को दशकों तक इंतजार करना पड़ा है। अपने 60 साल के शासन में कांग्रेस पार्टी बाबासाहेब का नाम तक लेने से गुरेज करती रही। कांग्रेस ने बाबासाहेब के रहते भी उनका बार-बार तिरस्कार किया और उनके जाने के बाद भी उन्हें इतिहास के पटल से मिटाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

भगोड़ा हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी बेल्जियम में गिरफ्तार,भारत प्रत्यर्पण की कोशिशें तेज

'गिरफ्तारी भारतीय एजेंसियों द्वारा किए गए अनुरोध के आधार पर की गई है।'

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से जुड़े 13,850 करोड़ रुपये के ऋण धोखाधड़ी मामले में वांछित भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया गया है। सीबीआई सूत्रों ने बताया कि यह गिरफ्तारी भारतीय एजेंसियों द्वारा किए गए अनुरोध के आधार पर की गई है। सूत्रों के अनुसार, 65 वर्षीय चोकसी को शनिवार, 12 अप्रैल को एंटवर्प शहर में पकड़ा गया। वह अपनी पत्नी प्रीति चोकसी के साथ वहां रह रहा था और निवास कार्ड भी प्राप्त कर चुका था। चोकसी अब

बेल्जियम की अदालत में खराब स्वास्थ्य और अन्य कारणों का हवाला देकर जमानत की मांग कर सकता है। चोकसी और उसके भतीजे नीरव मोदी पर आरोप है कि उन्होंने मुंबई स्थित पीएनबी की ब्रैडी हाउस शाखा के अधिकारियों से मिलीभगत कर लेटर ऑफ अंडरटेकिंग (एलओयू) और विदेशी क्रेडिट लेटर (एफएलसी) के जरिए भारी राशि की धोखाधड़ी की थी। मामले में सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) दोनों ने जांच की है। पीएनबी घोटाले के खुलासे से कुछ सप्ताह पहले, जनवरी 2018 में चोकसी और नीरव मोदी देश छोड़कर फरार हो गए थे। चोकसी की पत्नी बेल्जियम की नागरिक हैं, और वह पिछले कुछ वर्षों से एंटवर्प में रह रहा था। चोकसी, गीतांजलि जेम्स का संस्थापक है। जबकि नीरव मोदी फिलहाल ब्रिटेन की जेल में बंद है और भारत प्रत्यर्पण का विरोध कर रहा है। नीरव को 2019 में भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया जा चुका है, जबकि चोकसी के खिलाफ ईडी की याचिका 2018 से लंबित है। सूत्रों ने यह भी बताया कि इंटरपोल द्वारा चोकसी के खिलाफ रेड नोटिस हटाए जाने के बावजूद भारतीय एजेंसियों ने दोबारा प्रत्यर्पण का अनुरोध किया था।

भारत-अमेरिका संयुक्त निसार मिशन के प्रक्षेपण की तिथियों की समीक्षा कर रहे हैं नासा, इसरो

एजेंसी

चेन्नई। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) भारत-अमेरिका संयुक्त निसार उपग्रह मिशन के प्रक्षेपण की संभावित तिथियों की समीक्षा कर रहे हैं। इसरो के सूत्रों ने यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि उपग्रह को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया जायेगा। इसका परीक्षण इसरो की बेंगलुरु स्थित सुविधा में किया गया है और इसे यहां से लगभग 110 किलोमीटर दूर श्रीहरिकोटा के अंतरिक्ष केंद्र में ले जाया जायेगा। प्रक्षेपण की तिथि शार रेंज में उपग्रह के आगे के परीक्षणों के बाद प्रक्षेपण विंडो की उपलब्धता के आधार पर मई या जून में होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि निसार एक लो अर्थ ऑर्बिट वेधशाला है जिसे नासा और इसरो की ओर से संयुक्त रूप से विकसित किया जा रहा है। यह 12 दिनों में पूरे विश्व का मानचित्रण करेगा तथा पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र, बर्फ द्रव्यमान, वनस्पति बायोमास, समुद्र के स्तर में वृद्धि, भूजल और भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी और भूस्खलन सहित प्राकृतिक खतरों में परिवर्तन को समझने के लिए डेटा प्रदान करेगा।

ईडी ने छापे के दौरान जब्त की दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और नगदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की लखनऊ टीम ने धन शोधन निवारक अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत मेसर्स भसीन इन्फोटेक एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, ग्रैंड वेनेज़िया कमर्शियल टावर्स प्राइवेट लिमिटेड और उनके प्रमुख कर्मियों के परिसरों में तलाशी अभियान में कई दस्तावेज इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और लाकर तथा नगदी जब्त की है। ईडी ने एक बयान में बताया कि यह कार्रवाई 10 अप्रैल को देश के विभिन्न स्थानों पर की गई। ईडी की ओर से जारी बयान के मुताबिक 10 अप्रैल को दिल्ली, नोएडा और गोवा में नौ स्थानों पर छापे और तलाशी की कार्रवाई की गई। तलाशी अभियान के दौरान, कई आपत्तिजनक दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए। बयान के मुताबिक इस कार्रवाई में इसके अलावा विभिन्न बैंकों में कुछ लॉकर की चाबियाँ और 30 लाख रुपये की नकदी जब्त की गयी है । ईडी ने संबंधित फर्मों के खिलाफ धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में कई संदिग्ध बैंक खाते भी फ्रीज करवा दिए हैं।

मोदी ने आंध्र प्रदेश में पटाखा फैक्ट्री हादसे में आठ लोगों की मौत पर जताया दुख

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में पटाखा बनाने वाली यूनिट में विस्फोट से आठ लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। श्री मोदी ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, अनकापल्ली जिले में फैक्ट्री हादसे में लोगों की मौत से गहरा दुख हुआ है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। अनकापल्ली जिले के कैलासपट्टनम गांव में एक पटाखा बनाने वाली यूनिट में विस्फोट से आठ श्रमिकों की मौत हो गयी और छह अन्य घायल हो गये।

सात साल से फरार हाशिम बाबा गैंग का बदमाश पकड़ा गया

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले की स्पेशल स्टाफ ने कुख्यात हाशिम बाबा गैंग के शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान मोहम्मद शान उर्फ संजय भाटिया के रूप में हुई है। आरोपित हाशिम बाबा का साला है। पिछले 7 सालों से वह पुलिस को चकमा दे रहा था। चोरी के एक मामले में अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित कर रखा था। आरोपित के खिलाफ विभिन्न पुलिस थानों में 16 केस दर्ज हैं। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि स्पेशल स्टाफ की टीम घोषित अपराधियों की तलाश में जुटी हुई है। इस दौरान सूचना के आधार पर स्पेशल स्टाफ की टीम ने हाशिम बाबा गैंग के एक प्रमुख बदमाश मोहम्मद शान उर्फ संजय भाटिया को पकड़ा। आरोपित गैंगस्टर हासिम बाबा का साला है। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में 16 केस दर्ज हैं। जांच में पता चला कि आरोपित को वसंत कुंज नॉर्थ थाने के चोरी के मामले में अदालत द्वारा वर्ष 2018 में भगोड़ा घोषित किया गया था। तभी से वह गिरफ्तारी से बच रहा था। पुलिस ने मोहम्मद शान को अदालत में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

चोरों ने घर से लाखों के आभूषण व नकदी पर किया हाथ साफ

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के जगतपुरी इलाके में चोरों ने एक घर से 350 डॉलर व 50 हजार रुपये नकद, 30 तोला सोना व 500 ग्राम चांदी पर हाथ साफ कर दिया। इस दौरान पीड़ित परिवार घर में ताला बंद करके किसी काम के चलते रोहिणी गया हुआ था। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित चोर फरार हैं। पुलिस के अलावा क्राइम व एफएसएल की टीमों ने मौके से जरूरी सुराग जुटाए हैं। इसके अलावा, मामला दर्ज करने के बाद पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगालकर पुलिस चोरों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित 69 वर्षीय बुजुर्ग शिवेंद्र कुमार तिवारी परिवार के साथ जगतपुरी इलाके में रहते हैं।

वह बीएसएनएल से सेवानिवृत्त हैं और घर पर ही रहते हैं। चार अप्रैल दोपहर करीब एक बजे वह परिवार के साथ किसी काम से रोहिणी गये हुए थे। उन्होंने घर के मुख्य द्वार व आलमारियों में अच्छे से ताला लगाया था। लेकिन छह अप्रैल को पीड़ित के पड़ोसी गौरव ने कॉल कर उन्हें बताया कि उनके घर का ताला खुला हुआ है। पीड़ित ने अपने एक मित्र हितेश गुप्ता को जाकर देखने के लिए कहा और शिवेंद्र की पत्नी व बेटा भी घर पहुंचे। घर की जांच करने पर आलमारी का ताला भी टूटा हुआ मिला और कान के सोने की आठ बालियां, एक चेन, दो लॉकेट, एक मंगल सूत्र, एक नथ, चार कंगन, चार अंगूठी समेत कुल 30 तोला सोना और चांदी की एक अंगूठी, 10 सिक्के, तीन जोड़ी पाजेब समेत कुल 500 ग्राम चांदी, एक कैमरा, 50 हजार नकद व 350 डॉलर गायब थे। पीड़ित की ओर से मामले की सूचना पुलिस को देकर केस दर्ज करा दिया गया। पुलिस घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगालकर आरोपित चोरों की पहचान करने की कोशिश के अलावा उनकी तलाश कर रही है।

बाबासाहेब ने महिलाओं और वंचित वर्गों को समान अधिकार दिलाने के लिए आजीवन संघर्ष किया : राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली । संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की आज जयंती है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आंबेडकर जयंती पर सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बाबासाहेब की तस्वीर के साथ संदेश भी साझा किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संदेश में कहा, 'भारतीय संविधान के शिल्पकार, बाबासाहेब भीमराव रामजी आंबेडकर के जन्म दिवस पर मैं सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। अपने प्रेरणादायी जीवन में बाबासाहेब ने अत्यंत विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए अपनी विशेष पहचान बनाई और असाधारण उपलब्धियों से विश्व स्तर पर सम्मान अर्जित किया।' संदेश में आगे कहा, 'विलक्षण क्षमताओं और बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी बाबासाहेब अर्थशास्त्री, शिक्षाविद, न्यायविद और महान समाज सुधारक थे। वे समानता के प्रबल पक्षधर थे। उन्होंने महिलाओं तथा पिछड़े और वंचित वर्गों को समान आर्थिक और

सामाजिक अधिकार दिलाने के लिए आजीवन संघर्ष किया। वे शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन और वंचित वर्गों के सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण साधन मानते थे। विभिन्न क्षेत्रों में उनका अमूल्य योगदान भावी पीढ़ियों को राष्ट्र-निर्माण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करने के लिए प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा, ÷आइए, इस अवसर पर हम सब डॉ. आंबेडकर की शिक्षाओं और आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लें और एक ऐसे भारत का निर्माण करें जहां सामाजिक समरसता और समानता का आदर्श स्वरूप दिखाई दे।इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी थीं। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा था, ÷हमारे संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर मैं सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। अपने प्रेरणादायक जीवन में बाबा साहेब ने अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करते हुए भी अपनी एक अलग पहचान बनाई और अपनी

राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बाबासाहेब की तस्वीर के साथ संदेश भी साझा किया।

असाधारण उपलब्धियों से दुनिया भर में सम्मान प्राप्त किया। बता दें कि हर साल 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती मनाई जाती है। यह दिन भारत के संविधान निर्माता, सामाजिक सुधारक और दलित आंदोलन के प्रणेता डॉ. भीमराव अंबेडकर के जन्मदिन को चिह्नित करता है। इस अवसर पर देशभर में विभिन्न कार्यक्रम, रैलियां और सांस्कृतिक आयोजन किए जाते हैं, जिसमें डॉ. भीमराव अंबेडकर की समानता, शिक्षा, और सामाजिक न्याय के योगदान को याद किया जाता है।

न्यू अशोक नगर और सराय काले खां स्टेशन के बीच शुरू हुआ नमो भारत ट्रेन का ट्रायल रन

एजेंसी

गाजियाबाद। एनसीआरटीसी ने दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के संपूर्ण संचालन की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रात्रि को न्यू अशोक नगर और सराय काले खां स्टेशन के बीच ट्रायल रन शुरू कर दिए। रात को नमो भारत ट्रेन को धीमी रफ्तार में एनसीआरटीसी की टीम द्वारा डाउन लाइन पर न्यू अशोक नगर से सराय काले खां लाया गया। एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि इस ट्रायल की प्रक्रिया में सिग्नलिंग सिस्टम की अनुकूलता की जांच के लिए नमो भारत ट्रेन को मैन्युअल तरीके से चलाया गया। इसी कड़ी में जैसे-जैसे यह परीक्षण आगे बढ़ेगा, एनसीआरटीसी ट्रैक, प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर (पीएसडी) और ओवरहेड पावर सप्लाई सिस्टम जैसे विभिन्न सबसिस्टम के साथ ट्रेन के इंटीग्रेशन और इसके समन्वय का आकलन करने के लिए व्यापक मूल्यांकन करेगी। इसके साथ ही आगामी दिनों में ट्रेन के हाई-स्पीड टेस्ट सहित व्यापक ट्रायल रन किए जाएंगे। ट्रायल प्रक्रिया के दौरान नमो भारत ट्रेन ने पहली बार यमुना को पार किया और आगे बढ़ते हुए बारपुला फ्लाईओवर व रिंग रोड के ऊपर से गुजरते हुए सराय काले खां स्टेशन पहुंची। उल्लेखनीय है यमुना को पार करने के लिए एनसीआरटीसी ने कई चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करते हुए 32 पिलर्स पर लगभग 1.3 किमी लंबा पुल तैयार किया, जिसका लगभग 626 मीटर का हिस्सा यमुना पर है और शेष हिस्सा दोनों ओर खादर क्षेत्र में है। यह पुल यमुना नदी पर डीएनडी यमुना पुल के समानान्तर बनाया गया है। वहीं दूसरी ओर सराय काले खां स्टेशन तक पहुँचने के लिए भारी ट्रैफिक वाले बारपुला फ्लाईओवर और इसके बराबर से गुजर रहे रिंग रोड के ऊपर वायडक्ट निर्माण करना भी एनसीआरटीसी के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन एनसीआरटीसी ने इस हिस्से में भी निर्माण को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर अधीर रंजन चौधरी का सियासी हमला: बोले दंगे वहीं होते हैं जहां सरकार चाहती है

एजेंसी

नई दिल्ली। मुर्शिदाबाद के बरहामपुर से कांग्रेस के पूर्व सांसद अधीर रंजन चौधरी ने हाल ही में मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर निशाना साधा है। दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए चौधरी ने आरोप लगाया कि भाजपा सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति करती है और मुख्यमंत्री बनर्जी केवल धर्मनिरपेक्ष होने का दिखावा कर रही हैं। चौधरी ने कहा कि बंगाल सरकार भाजपा को यह अवसर दे रही है कि वह आम मुसलमानों को 'जिहादी' कहकर संबोधित करे। उन्होंने सवाल उठाया कि इस स्थिति से किसे लाभ हो रहा है? उनका स्पष्ट आरोप था कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भाजपा दोनों ही इस सांप्रदायिक तनाव से फायदा उठा रही हैं। कांग्रेस नेता ने एक विवादास्पद बयान देते हुए कहा कि उनका मानना है कि दंगे वहीं होते हैं जहां सरकार चाहती है। उन्होंने गुजरात के गोधरा दंगों का उदाहरण

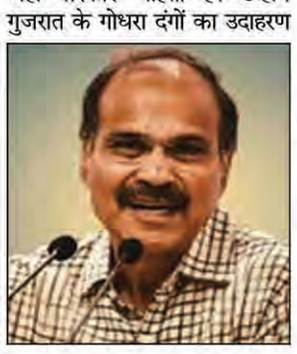

देते हुए कहा कि वह घटना इसलिए हुई क्योंकि तत्कालीन सरकार ऐसा चाहती थी। इसी तर्ज पर उन्होंने बंगाल में हो रही हिंसा पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यह भी इसलिए हो रहा है क्योंकि राज्य सरकार कहीं न कहीं इसे होने देना चाहती है। अधीर रंजन चौधरी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। कांग्रेस लगातार इस घटना की निष्पक्ष जांच की मांग कर रही है और राज्य सरकार पर लापरवाही बरतने का आरोप लगा रही है। चौधरी के इस तीखे हमले ने बंगाल की राजनीति में और गर्मी ला दी है, खासकर ऐसे समय में जब राज्य में पंचायत चुनाव नजदीक हैं। उनके बयान को टीएमसी और भाजपा दोनों ही पार्टियां खारिज कर सकती हैं, लेकिन चौधरी के आरोपों ने एक गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या वाकई राजनीतिक फायदे के लिए सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा दिया जा रहा है। फिलहाल, मुर्शिदाबाद में स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है, लेकिन अधीर रंजन चौधरी के इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में बहस और तेज होने की संभावना है।

'पहले क्षत्रिय समाज का अपमान, अब कांशीराम का उड़ा रहे मजाक', भाजपा का अखिलेश पर वार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक कांशीराम का कथित तौर पर मजाक उड़ाने और दलित समुदाय का अपमान करने का आरोप लगाया। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अखिलेश यादव का एक वीडियो साझा किया और उन पर सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव की विरासत को आगे बढ़ाने और कांशीराम का अपमान करने का आरोप लगाया।मालवीय ने लिखा, अखिलेश यादव ने पहले राणा सांगा को गद्दार कहने वाले सपा सांसद के बयान का समर्थन कर क्षत्रिय समाज का अपमान किया। अब वे दलित समाज के पथ-प्रदर्शक कांशीराम जी का उपहास कर रहे हैं, केवल उन्हें मुलायम सिंह से छोटा दिखाने के लिए। यह कहना कि कांशीराम चुनाव नहीं जीत पा रहे थे और सपा ने उन्हें जिताया, पूरे दलित समाज का अपमान है। अब तो ऐसा प्रतीत होता है कि हिंदू समाज के हर वर्ग से

आपको दुर्गंध आने लगी है। सेक्युलरिज्म नाम की इस बीमारी का कोई इलाज भी नहीं है। दरअसल यह विवाद तब पैदा हुआ जब अखिलेश यादव ने हाल ही में एक कार्यक्रम में कहा, यह इतिहास है, लेकिन यह भी सच है कि अगर किसी ने बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक को लोकसभा में पहुंचाया था तो वे यहां के मतदाता ही थे जिन्होंने उन्हें लोकसभा में पहुंचाया था। वह कहीं से भी जीतने में असमर्थ रहे। उन्होंने कहा, इतिहास में दर्ज है कि उस समय अगर किसी ने पार्टी के संस्थापक कांशीराम को जिताने में मदद की थी तो वह नेताजी (मुलायम सिंह यादव) और समाजवादी लोग थे, जिन्होंने उन्हें लोकसभा में पहुंचाने में मदद की थी। आपको बता दें कि कांशीराम पहली बार 1991 में सपा-बसपा गठबंधन के तहत इटावा से लोकसभा के लिए चुने गए थे। इस दौरान सपा-बसपा का गठबंधन उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बड़ा मोड़ साबित हुआ।

वक्फ कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची थलापति विजय की पार्टी, 16 अप्रैल को सुनवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन कानून के लागू होने के बाद भी बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस कानून के खिलाफ विपक्षी दल और मुस्लिम संगठनों के विरोध के बीच इसके पक्ष में कई याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में भी डाली गई हैं। इसी कड़ी में तमिल फिल्म अभिनेता थलापति विजय की पार्टी ने भी सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की। तमिल फिल्म अभिनेता और राजनेता थलपति विजय की पार्टी तमिलनाडु वेत्री कझगम (टीवीके) ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इस अधिनियम के खिलाफ दायर याचिकाओं पर 16 अप्रैल 2025 को सुनवाई निर्धारित है। हालांकि, इस अधिनियम के समर्थन में भी कई अर्जियां सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की जा चुकी हैं। आपको बताते चलें इस मामले में केंद्र सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में कैविएट याचिका दायर की है। याचिका में केंद्र ने कोर्ट से अपील की है कि वह इस मामले में कोई भी आदेश पारित करने से पहले केंद्र सरकार की दलील भी सुने। केंद्र सरकार का कहना है कि अदालत को बिना सुनवाई के कोई एकतरफा आदेश पारित नहीं करना चाहिए। केंद्र सरकार ने कैविएट याचिका में स्पष्ट किया है कि उसे इस महत्वपूर्ण मामले में अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर मिलना चाहिए, ताकि अदालत द्वारा कोई भी निर्णय पारित करते समय केंद्र की दलील भी शामिल हो सकें। ज्ञात हो कि संसद के दोनों सदनों से बजट सत्र में पारित वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल चुकी है। इस संबंध में गजट अधिसूचना जारी होने के साथ ही वक्फ अधिनियम, 1995 का नाम भी बदलकर यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, इम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट (उम्मीद) अधिनियम, 1995 हो गया है। विपक्षी दलों और कई मुस्लिम संगठनों के विरोध के बावजूद लोकसभा ने 3 अप्रैल को और राज्यसभा ने 4 अप्रैल को इसे मंजूरी प्रदान की। लोकसभा में इसके समर्थन में 288 और विरोध में 232 वोट पड़े थे, जबकि ऊपरी सदन में इसके पक्ष में 128 और विरोध में 95 वोट पड़े थे।

मदनी का सरकार पर सीधा हमला : बोले- वक्फ के बहाने मुसलमानों पर शिकंजा कसा जा रहा

नई दिल्ली। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना महमूद मदनी ने वक्फ संशोधन अधिनियम पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे राजनीति से प्रेरित बताया है। मदनी ने कहा कि इस अधिनियम को मुसलमानों के नाम पर, कभी उन्हें गाली देकर या कभी उनका हमदर्द बनकर दुर्भावना के साथ लागू किया गया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यह मामला वक्फ संपत्तियों से जुड़ा हुआ नहीं है, बल्कि इसके पीछे राजनीतिक मंशा काम कर रही है। मदनी ने इस अधिनियम या इसके संशोधन को देश, समाज और विशेष रूप से मुसलमानों के लिए सही नहीं ठहराया। जमीयत उलेमा-ए-हिंद प्रमुख ने आरोप लगाया कि इस कानून के माध्यम से मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है और उनकी धार्मिक संपत्तियों पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने इस अधिनियम के पीछे की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार को मुसलमानों के हितों को ध्यान में रखना चाहिए। मदनी का यह बयान वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक दलों के विरोध को और तेज कर सकता है। उनका कहना है कि यह कानून अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों का हनन करता है और इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा।

NFSU विज्ञान और फिल्म उद्योग के बीच की दूरी घटाकर समाज को सुशिक्षित कर सकता है : हेमा मालिनी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) ने विज्ञान भवन नई दिल्ली में दुनिया की पहली फिल्म फोरेंसिक संगोष्ठी का आयोजन किया, पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित हेमा मालिनी समारोह की मुख्य अतिथि थीं। संगोष्ठी में प्रसून जोशी, अभिनेता शरद केलकर और सीआईडी फेम नरेंद्र गुप्ता, जस्टिस के. आर. ठाकर, चेयरपर्सन, गुजरात स्टेट ह्यूमन राइट्स कमिशन मौजूद थे। राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में, 14 से 15 अप्रैल 2025 तक विज्ञान भवन दिल्ली में 'नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी कार्यान्वयन और आतंकवाद से निपटने में फोरेंसिक विज्ञान की भूमिका' पर अखिल भारतीय फोरेंसिक विज्ञान शिखर सम्मेलन (एआईएफएसएस) का आयोजन कर रहा है। भारत सरकार के केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। न्यायमूर्ति राजेश बिंदल, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश आर वेंकटरमन, अटॉर्नी जनरल न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यम, अध्यक्ष एनएचआरसी मनन कुमार मिश्रा, अध्यक्ष बार काउंसिल ऑफ इंडिया और गोविंद मोहन, केंद्रीय गृह

सचिव शिखर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाएंगे। फिल्म फोरेंसिक पर संगोष्ठी के दौरान, लघु फिल्म श्रेणी में 40 प्रविष्टियों में से, सर्वश्रेष्ठ छह (06) को फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) के निर्णायक मंडल द्वारा चुना गया और कार्यक्रम में प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार भी दिए गए। एनएफएसयू ने विज्ञान भवन में एक फोरेंसिक हैकाथॉन का भी आयोजन किया। इस कार्यक्रम में अपराध से निपटने के लिए स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा देने और विकसित करने की वकालत की गई और शानदार विचारों और तकनीकी आदर्शों को प्रदर्शित किया गया। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति तेजस कारिया ने कार्यक्रम के दौरान फोरेंसिक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। समारोह की मुख्य अतिथि पद्मश्रीसे सम्मानित हेमा मालिनी ने कहा कि- फिल्में विज्ञान और आम आदमी के बीच की खाई को पाट सकती हैं, आकर्षक कथाओं के माध्यम से अपराध-समाधान के बारे में जागरूकता बढ़ा सकती हैं। मैं इस साहसिक कदम के लिए एनएफएसयू को बधाई देती हूं। फोरेंसिक शिक्षा और अनुसंधान में अग्रणी संस्थान के रूप में, समाज को शिक्षित करने में आपकी भूमिका अमूल्य है। इस तरह के आयोजन रचनात्मक दिमागों और वैज्ञानिक समुदाय के बीच सहयोग बनाने में मदद करते हैं, जो समय की जरूरत है। मैं फिल्म उद्योग के अपने सहयोगियों से एनएफएसयू जैसी संस्थाओं का स्वागत करना चाहूंगी।

भारत ने लेजर के जरिए 5 किमी. तक हवाई लक्ष्य मार गिराने की क्षमता दिखाई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने 30 किलोवाट लेजर आधारित हथियार प्रणाली का उपयोग करके फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट, मिसाइल और स्वार्म ड्रोन को मार गिराने की अपनी क्षमता का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। भारत इसके साथ ही अमेरिका, चीन और रूस सहित उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है, जिन्होंने ऐसी क्षमता दिखाई है। 30 किलोवाट की लेजर हथियार प्रणाली को 5 किलोमीटर की सीमा के भीतर ड्रोन और हेलीकॉप्टर जैसे हवाई खतरों का मुकाबला करने के लिए डिजाइन किया गया है। डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने इस सफल परीक्षण के बाद कहा कि इससे पहले अमेरिका, रूस और चीन ने इस तरह की क्षमता का प्रदर्शन किया है। इजरायल भी इसी तरह की क्षमताओं पर काम कर रहा है। हम इस प्रणाली का प्रदर्शन करने वाले दुनिया के चौथे या पांचवें देश हैं। इसमें संचार और उपग्रह संकेतों को जाम करने सहित उन्नत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमताएं हैं। इस बहुमुखी हथियार प्रणाली से जमीन और जहाज आधारित मिशन को अंजाम दिया जा सकता है, जिससे कई क्षेत्रों में भारत की रक्षा तत्परता बढ़ती है। यह प्रणाली सटीक लक्ष्यीकरण के लिए 360 डिग्री इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल?, इन्फ्रारेड सेंसर से लैस है और इसे हवाई, रेल, सड़क या समुद्र के माध्यम से तेजी से तैनात किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि डीआरडीओ 300 किलोवाट सूर्य? लेजर हथियार जैसे अधिक शक्तिशाली सिस्टम भी विकसित कर रहा है, जिसकी परिचालन सीमा 20 किलोमीटर है। यह सिस्टम मिसाइलों और मानव रहित हवाई प्रणालियों (यूएएस) जैसे उच्च गति वाले हवाई खतरों को लक्षित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो आधुनिक युद्ध में भारत की स्थिति को और मजबूत करेगा। ये प्रगति मिसाइल रक्षा और ड्रोन विरोधी अभियानों के लिए उच्च शक्ति वाले लेजर पर जोर देने वाले वैश्विक रुझानों के अनुरूप है।

मुर्शिदाबाद और मालदा में हालात खराब, ममता सरकार पूरी तरह से फेल : अजय आलोक

एजेंसी

नई दिल्ली। कलकत्ता हाई कोर्ट की एक विशेष डिवीजन बेंच ने मुर्शिदाबाद जिले में भड़की हिंसा के बाद केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल तैनात करने का आदेश दिया है। इस मुद्दे पर भाजपा नेता अजय आलोक ने कहा कि बंगाल में पलायन शुरू हो चुका है और हिंदुओं पर हमले भी हो रहे हैं। भाजपा नेता अजय आलोक ने बातचीत में कहा, बंगाल की हालत बहुत चिंताजनक है। मुझे लगता है कि बंगाल के हिंदू ज्वालामुखी के मुहाने पर बैठे हुए हैं, जो फटने को तैयार है और रुक-रुक कर फट भी रहा है। पलायन शुरू हो गया है और हिंदुओं पर हमले भी हो रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 1947 में जिस तरीके की हिंसा हुई थी, उस तरीके की एक बार फिर से हिंसा हो रही है और वह दिन याद आ रहे हैं। मुर्शिदाबाद और मालदा में भी कुछ वैसे ही हालात हैं। हालांकि, राज्य सरकार आंख मूंदकर इन सारी घटनाओं को देख रही है और इस्लामी जिहादियों को सरपरस्ती दे रही है, जिससे उनका मनोबल और भी बढ़ रहा है। पुलिस वालों को मारा जा रहा है और कुछ पुलिसकर्मी तो आईसीयू में भर्ती हैं। वहां हालात इतने खराब हो गए हैं कि पुलिस से स्थिति कंट्रोल नहीं हो रही है तो बीएसएफ बुलाई गई है। इस पूरे मामले को केंद्र सरकार से लेकर हाई कोर्ट तक देख रहा है। मैं अपील

करता हूं कि सुप्रीम कोर्ट भी बंगाल की स्थिति का संज्ञान लें। क्या हम एक और विभाजन की इजाजत दे सकते हैं? कानून व्यवस्था के मुद्दे पर ममता सरकार पूरी तरह से फेल हो गई है। कलकत्ता उच्च न्यायालय की एक विशेष डिवीजन बेंच ने मुर्शिदाबाद जिले में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल तैनात करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा हाल के दिनों में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शनों के दौरान सांप्रदायिक अशांति को नियंत्रित करने के लिए किए गए उपाय पर्याप्त नहीं थे। बेंच ने यह भी कहा कि अगर पहले सीएपीएफ तैनात किया गया होता, तो स्थिति इतनी गंभीर और अस्थिर नहीं होती। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा, केंद्रीय सशस्त्र बलों की पहले तैनाती से स्थिति को कम किया जा सकता था, क्योंकि ऐसा प्रतीत होता है कि समय पर पर्याप्त उपाय नहीं किए गए। खंडपीठ ने इस बात पर जोर दिया कि स्थिति गंभीर और अस्थिर है। बेंच ने अपराधियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने और निर्दोष नागरिकों पर हुए अत्याचारों को रोकने की जरूरत पर बल दिया।

पत्नी की हत्या कर शव को फंदे से लटकाया

एजेंसी

नई दिल्ली। महिपालपुर में कहासुनी के बाद पति ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। बाद में मामले को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव रस्सी के सहारे फांसी पर लटका दिया। जांच में हत्या का खुलासा होने पर पुलिस ने पति को अरेस्ट कर लिया है। आरोपी की पहचान अमित सहरावत के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार अमित सहरावत अपनी पत्नी कल्पना के साथ महिपालपुर के ब्लॉक में मकान संख्या 139 में रहता था। उसका एक 5 साल का बेटा भी है। अमित की शादी को करीब छह वर्ष हो चुके हैं। पुलिस को 6 मार्च को सूचना मिली कि महिपालपुर में फ्राइडे मार्केट के समीप एक महिला ने फांसी लगा ली है। मौके पर पहुंचने पर पता चला शव कल्पना का था। अमित ने भी पुलिस को बताया कि पत्नी ने फांसी लगा ली है। 8 मार्च को पुलिस ने कल्पना के शव का पोस्टमार्टम कराया तो स्पष्ट हुआ कि उसको गला दबाकर मारा गया था। कल्पना के माता पिता के बयान लिए गए तो उन्होंने बताया कि पति पत्नी में अनबन रहती थी। परिजनों ने दहेज लिए प्रताड़ित करने का आरोप तो नहीं लगाया लेकिन बताया कि दंपति के बीच झगड़ा था। पुलिस ने केस दर्ज कर अमित से पूछताछ की तो उसने खुलासा किया कि गला दबाकर हत्या करने के बाद उसने ही कल्पना का शव रस्सी के सहारे फांसी पर लटका दिया था जिससे कि मामला आत्महत्या का लगे। डीसीपी साउथ वेस्ट सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि पूछताछ में अमित ने खुलासा किया कि 5 मार्च को वह परिवार के साथ वसंत कुंज के मसूदपुर में एक शादी समारोह में गया था। वहां उसने शराब पी ली थी। समारोह स्थल पर ही पत्नी के साथ उसका झगड़ा भी हुआ था। नशा ज्यादा होने पर चचेरे भाई ने उसको घर छोड़ा था। उसकी पत्नी भी बाद में घर आ गई थी।

संपादक की कलम से

वायु प्रदूषण से मिलकर लड़ने की जरूरत

हाल ही में दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए न सिर्फ ग्रेप-1 लागू किया गया, बल्कि सुप्रीम कोर्ट ने इसे गंभीरता से लेते हुए कहा कि यहां सालभर पटाखों पर प्रतिबंध जारी रहेगा. पिछले दशकों में हमने कार्बन डाइऑक्साइड को ही वायु प्रदूषण के सबसे बड़े घटक के रूप में मान्यता दी है. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाली गोष्ठियों में भी इसी पर सबसे अधिक चर्चा होती रही है. इसे ही पर्यावरण का सबसे बड़ा दुश्मन माना जाता है. जबकि हालिया अध्ययनों के अनुसार, मिथेन भी हानिकारक गैस है और यह हमारे लिए अत्यंत घातक सिद्ध हो सकता है. इसकी प्रभावशीलता कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में 75 गुना अधिक है. वायु में इसके बढ़ते घनत्व ने वायु प्रदूषण को नया आयाम दे दिया है. यह गैस हमारी गतिविधियों से ही जुड़ी है. खेती-बाड़ी, झील, तालाब, मवेशियों की बढ़ती संख्या इसके स्तर को बढ़ाने में सहायक होते हैं.

जियो हेल्थ में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, भविष्य में बढ़ती ओजोन गैस की मात्रा और जलवायु परिवर्तन के कारण स्थितियां और भी गंभीर हो सकती हैं. यह तथ्य भी है कि बढ़ते ओजोन स्तर ने हमारे लिए पराबैंगनी किरणों और उनके हानिकारक प्रभावों को बढ़ा दिया है. हालिया प्राकृतिक बदलावों के कारण स्थिति और भी गंभीर होती जा रही है. यदि हम ओजोन को समझने और नियंत्रित करने में विफल रहते हैं, तो इसके परिणाम भविष्य में और भी अधिक खतरनाक हो सकते हैं. एक अध्ययन के अनुसार, ओजोन एक ऐसी गैस है जो फोटोकेमिकल स्मॉग का मुख्य घटक होती है. यह गैस सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों को अवशोषित करने वाली ओजोन परत से भिन्न है. प्रदूषण तब शुरू होता है, जब ओजोन सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आकर कई प्रकार की रासायनिक प्रतिक्रियाएं करता है. ऐसी हवा मुख्य रूप से वाष्पशील होती है और उसमें कार्बनिक, यौगिक और नाइट्रोजन ऑक्साइड मिली होती है जो गाड़ियों, बिजली घरों, औद्योगिक बॉयलरों, रिफाइनरियों और रासायनिक संयंत्रों से उत्सर्जित होती है. ये प्रदूषक इतने हानिकारक हैं कि भविष्य में हृदय रोगों और यहां तक कि हार्ट अटैक का भी कारण बन सकते हैं. शोध में यह भी पाया गया है कि ओजोन का उच्च स्तर चार से पांच दिनों के भीतर हार्ट अटैक की आशंका को बढ़ा सकता है. हालांकि 2.5 पीएम स्तर पर इसका सीधा संबंध प्रमाणित नहीं किया गया है, परंतु ये प्रदूषक अन्य कारकों के साथ मिलकर ऑक्सीजन पर विपरीत असर डालते हैं और हार्ट इंफेक्शन को बढ़ावा देते हैं.

फिर भी आजोन गैस को हार्ट अटैक का सीधा कारण नहीं माना जा सकता, फिर भी ये परिस्थितियों को बदतर करने का कारण बन सकती है और अन्य कारकों के साथ मिलकर यह कोरोनरी धमनियों को अवरुद्ध करने का काम कर सकती है. ऐसा अध्ययन हाल ही में अमेरिका में 18 से 55 वर्ष की आयु के लोगों के बीच किया गया, जिसमें 70 प्रतिशत प्रतिभागी महिलाएं थीं. पिछले अध्ययनों की प्रवृत्तियों को ध्यान में रखते हुए महिलाओं की अधिक संख्या को शामिल किया गया था. शोध के अंतर्गत उनके निवास स्थान की वायु गुणवत्ता स्तर की तुलना हार्ट अटैक की घटनाओं से की गयी, जिसमें प्रदूषण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बीच गहरा संबंध सामने आया. स्विस एजेंसी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, आज स्थिति इतनी गंभीर हो गयी है कि कोई भी शहर इस प्रभाव से अछूता नहीं रहा. हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की राजधानी दिल्ली वायु प्रदूषण के दृष्टिकोण से सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में शामिल है. विश्व के 20 सबसे प्रदूषित शहरों में भारत के 13 शहर शामिल हैं. विशेष रूप से असम और मेघालय के बीच स्थित एक छोटा-सा शहर, जिसे बनीर्हाट के नाम से जाना जाता है, अत्यधिक प्रदूषित पाया गया है. देश की राजधानी दिल्ली में तो वायु गुणवत्ता पहले से ही खराब रही है, इसलिए उसके आंकड़े उतने चौंकाने वाले नहीं लगते, लेकिन पहाड़ का क्षेत्र इतना प्रदूषित हो सकता है, यह चौंकाने वाली बात जरूर है. यह तय है कि हम वायु प्रदूषण को लेकर अब भी उतनी गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं, जितनी आवश्यक है.

पिछले एक दशक में मौसम परिवर्तन का वायु प्रदूषण पर बड़ा प्रभाव पड़ा है. सर्दियों में होने वाली बारिश के कारण वायु प्रदूषण का स्तर नीचे चला जाता है, पर अब इसके अभाव में वायु प्रदूषण का असर अधिक बढ़ रहा है. एक रिपोर्ट के अनुसार, 2009 से 2019 के बीच लगभग 13 लाख लोगों की मृत्यु केवल वायु प्रदूषण से संबंधित कारणों से हुई है. यदि हालात और भी बदतर हुए तो इस संख्या का बढ़ना तय है. अब भी समय है कि हम इसे गंभीरता से लें. हालांकि पिछले प्रयत्नों से 2022 और 2023 की तुलना में स्थिति थोड़ी बेहतर हुई है, पर प्रदूषण स्तर अब भी घातक बना हुआ है. इसे अनदेखा करने का अर्थ अपने प्राणों को संकट में डालना है. अब सामूहिक रूप से निर्णय लेने का समय आ चुका है. ऐसी अनावश्यक गतिविधियों को त्यागना होगा जो प्रदूषण का कारण बनते हैं.

राष्ट्र के सजग पथ प्रदर्शक थे डा. आम्बेडकर

रमेश सर्राफ धमोरा

बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर हमारे देश के संविधान के निमार्ता ही नहीं अपितु दुनिया के सबसे बड़े राजनेताओं में से एक थे। उनकी दूर दृष्टि, उनके ज्ञान, लोगों को समझने का उनका नजरिया, जाति प्रथा के विरुद्ध उनके तेवर को देखते हुए ही उन्हें भारतीय संविधान सभा का अध्यक्ष चुना गया था। ताकि भारत का संविधान दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधान में से एक हो। आज हम देखते हैं कि बाबा साहेब आम्बेडकर के नेतृत्व में रचित भारत का संविधान हमारे लोकतंत्र का एक सजग प्रहरी बनकर खड़ा हुआ है। जहां कहीं भी सरकार द्वारा नियम विरुद्ध कुछ किया जाता है तो संविधान उन्हें उनके कर्तव्य पथ की याद दिलाकर सही राह पर चलने की प्रेरणा देता है। भारत का संविधान आज दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधान में से एक माना जाता है जिसका श्रेय बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर को जाता है।

डॉ. भीमराव आम्बेडकर का जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक है क्योंकि इसने भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था को आकार देने में मदद की। पुरानी और पुरातन मान्यताओं से प्रगति लाकर भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाया। बाबासाहेब भीमराव आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के मऊ में एक गरीब परिवार मे हुआ था। वो भीमराव रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14 वीं सन्तान थे। उनका परिवार मराठी था जो महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले मे स्थित अम्बावडे नगर से सम्बंधित था। उनके बचपन का नाम रामजी सकपाल था। वे हिंदू महार जाति के थे जो अछूत कहे जाते थे। उनकी जाति के साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। एक अस्पृश्य परिवार में जन्म लेने के कारण उनको बचपन कष्टों में बिताना पड़ा था।

देश में हर वर्ष 14 अप्रैल को बाबासाहेब डा.भीमराव आम्बेडकर की जयन्ती मनायी जाती है। बाबासाहेब की जयन्ती पर लोगों को संकल्प लेना चाहिये कि हम सब सच्चे मन से उनके बताये मार्ग का अनुशरण करेगें। उनके बनाये संविधान का पालन करेगें। ऐसा कोई काम नहीं करेगें जिससे देश के किसी कानून का उल्लघंन होता हो। चूंकि बाबासाहेब हमेशा जाति प्रथा, ऊंच नीच की बातों के विरोधी थे। इसलिये उनकी जयन्ती पर उनको श्रधांजली देने का सबसे अच्छा तरीका है उनके सिद्धांतो को अपने जीवन में अपनाये।

बाबा साहेब आम्बेडकर कुल 64 विषयों में मास्टर थे। वे हिन्दी, पाली, संस्कृत, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, मराठी, पर्शियन और गुजराती जैसे 9 भाषाओं के जानकार थे। इसके अलावा उन्होंने लगभग 21 साल तक विश्व के सभी धर्मों की तुलनात्मक रूप से पढाई की थी। डॉक्टर आम्बेडकर अकेले ऐसे भारतीय है जिनकी प्रतिमा लंदन संग्राहलय में कार्ल मार्क्स के साथ लगाई गई है। इतना ही नहीं उन्हें देश विदेश में कई प्रतिष्ठित सम्मान भी मिले है। भीमराव आंबेडकर के पास कुल 32 डिग्री थी। डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर के निजी पुस्तकालय राजगृह में 50 हजार से भी अधिक किताबें थी। यह विश्व का सबसे बडा निजी पुस्तकालय था।

बाबा साहब का मानना था कि वर्गहीन समाज गढने से पहले समाज को जाति विहीन करना होगा। आज महिलाओं को अधिकार दिलाने के लिए हमारे पास जो भी संवैधानिक सुरक्षाकवच, कानूनी प्रावधान

और संस्थागत उपाय मौजूद हैं। इसका श्रेय किसी एक मनुष्य को जाता है वे हैं डॉ. भीमराव आम्बेडकर। भारतीय संदर्भ में जब भी समाज में व्याप्त जाति, वर्ग और लिंग के स्तर पर व्याप्त असमानताओं और उनमें सुधार के मुद्दों पर चिंतन हो तो डॉ. आंबेडकर के विचारों और दृष्टिकोण को शामिल किए बिना बात पूरी नहीं हो सकती।

भारतीय संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव आम्बेडकर का सपना था कि भारत जाति-मुक्त हो, औद्योगिक राष्ट्र बने, सदैव लोकतांत्रिक बना रहे। लोग आम्बेडकर को एक दलित नेता के रूप में जानते है। जबकि उन्होने बचपन से ही जाति प्रथा का खुलकर विरोध किया था। उन्होने जातिवाद से मुक्त आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ भारत का सपना देखा था। मगर देश की गन्दी राजनीति ने उन्हे सर्वसमाज के नेता के बजाय दलित समाज का नेता के रूप में स्थापित कर दिया। डा.आम्बेडकर का एक और सपना भी था कि दलित धनवान बनें। वे हमेशा नौकरी मांगने वाले ही न बने रहें अपितु नौकरी देने वाले बनें।

भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो आम्बेडकर संभवतः पहले अध्येता रहे हैं। जिन्होंने जातीय संरचना में महिलाओं की स्थिति को समझने की कोशिश की थी। उनके संपूर्ण विचार मंथन के दृष्टिकोण में सबसे महत्वपूर्ण मंथन का हिस्सा महिला सशक्तिकरण था। आम्बेडकर यह बात समझते थे कि स्त्रियों की स्थिति सिर्फ ऊपर से उपदेश देकर नहीं सुधरने वाली, उसके लिए कानूनी व्यवस्था करनी होगी। हिंदू कोड बिल महिला सशक्तिकरण का असली आविष्कार है। इसी कारण आंबेडकर हिंदू कोड बिल लेकर आये थे। हिंदू कोड बिल भारतीय महिलाओं के लिए सभी मर्ज की दवा थी। पर अफसोस यह बिल संसद में पारित नहीं हो पाया और इसी कारण आम्बेडकर ने कानून मंत्री पद का इस्तीफा दे दिया था। डा.भीमराव आम्बेडकर का मानना था कि भारतीय महिलाओ के पिछड़ेपन की मूल वजह भेदभावपूर्ण समाज व्यवस्था और शिक्षा का अभाव है। शिक्षा में समानता के संदर्भ में आंबेडकर के विचार स्पष्ट थे। उनका मानना था कि यदि हम लडकों के साथ-साथ लड़कियों की शिक्षा पर ध्यान देने लग जाए तो प्रगति कर सकते है। शिक्षा पर किसी एक ही वर्ग का अधिकार नहीं है। समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा का समान अधिकार है। नारी शिक्षा पुरुष शिक्षा से भी अधिक महत्वपूर्ण है। चूंकि पूरी पारिवारिक व्यवस्था की धुरी नारी है उसे नकारा नहीं जा सकता है। जब 15 अगस्त 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली नई सरकार बनी तो उसमें डा.आम्बेडकर को देश का पहले कानून मंत्री नियुक्त किया गया। 29 अगस्त 1947 को डा.आम्बेडकर को स्वतंत्र भारत के नए संविधान की रचना कि लिए बनी संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष नियुक्त किया गया। 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने उनके नेतृत्व में बने संविधान को अपना लिया। अपने काम को पूरा करने के बाद बोलते हुए डा.आम्बेडकर ने कहा मैं महसूस करता हूं कि भारत का संविधान साध्य है, लचीला है पर साथ ही यह इतना मजबूत भी है कि देश को शांति और युद्ध दोनों समय जोड़ कर रखने में सक्षम होगा। मैं कह सकता हूं कि अगर कभी कुछ गलत हुआ तो इसका कारण यह नही होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि इसका उपयोग करने वाला मनुष्य ही गलत था। आम्बेडकर ने 1952 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे लोक सभा का चुनाव लड़ा पर हार गये। मार्च 1952 मे उन्हें राज्य सभा के लिए मनोनित किया गया। अपनी मृत्यु तक वो उच्च सदन के सदस्य रहे।

डा.आम्बेडकर ने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में अपने लाखों समर्थकों के साथ एक सार्वजनिक समारोह में एक बौद्ध भिक्षु से बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया। राजनीतिक मुद्दों से परेशान आम्बेडकर का स्वास्थ्य बिगड़ता चला गया। 6 दिसम्बर 1956 को आम्बेडकर की नींद में ही दिल्ली स्थित उनके घर मे मृत्यु हो गई। 7 दिसम्बर को बम्बई में चौपाटी समुद्र तट पर बौद्ध शैली मे उनका अंतिम संस्कार किया गया जिसमें उनके हजारों समर्थकों, कार्यकताओं और प्रशंसकों ने भाग लिया। 1990 में बाबासाहेब डा.आम्बेडकर को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। सरकारों की उपेक्षा के चलते बाबा साहेब को भारत रत्न सम्मान बहुत देर से प्रदान किया गया। जिसके वे सबसें पहले हकदार थे।

आम्बेडकर के दिल्ली स्थित 26 अलीपुर रोड के उस घर में एक स्मारक स्थापित किया गया है जहां वो सांसद के रूप में रहते थे। देश भर में आम्बेडकर जयन्ती पर सार्वजनिक अवकाश रखा जाता है। अनेको सार्वजनिक संस्थानो का नाम उनके सम्मान में उनके नाम पर रखा गया है। आम्बेडकर का एक बड़ा चित्र भारतीय संसद भवन में लगाया गया है। बाबा साहब ने शिक्षित बनों, संगठित रहो तथा संघर्ष करो का नारा दिया था। शिक्षित बनने का अर्थ है कि हमारे ज्ञान के द्वार खुलते हैं और संगठित रहो का मतलब शक्ति प्राप्त करना हैं।

आलेखः-
रमेश सर्राफ धमोरा
(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

चमत्कारी चेहरे की तलाश में कांग्रेस

रशीद किदवई

कांग्रेस अपने इतिहास के सबसे बुरे दौर से गुजर रही है. लगातार तीन लोकसभा चुनावों में सीटों के आंकड़े को 100 पार भी ले जाने में विफल रहने के अलावा उसे राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी हार का सामना करना पड़ा है. वैचारिक स्तर पर भी पार्टी ऊहापोह की स्थिति में है कि दलितों और मुस्लिमों के साथ-साथ अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को किस तरह साधा जाये. वैसे कांग्रेस अतीत में भी वैचारिक अप्रोच से ज्यादा चमत्कारी चेहरों पर निर्भर रही है, फिर वे जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी हों या राजीव गांधी. आज के बदतर हालात में कांग्रेस को एक और चमत्कारी चेहरे की तलाश है और उसकी यह तलाश प्रियंका गांधी वाड्रा पर आकर खत्म हो सकती है. लेकिन अहमदाबाद में हो रहे पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रियंका गांधी की अनुपस्थिति पार्टी के कार्यकताओं, समर्थकों के लिए निराशाजनक और आश्चर्यजनक होने के साथ रहस्यमयी भी रही. बताया गया है कि प्रियंका की तबीयत ठीक नहीं है और वह अमेरिका गयी हैं. इसे रहस्यमयी इसीलिए माना जा रहा है, क्योंकि गांधी परिवार की त्रयी (सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा) के बीच हमेशा से एक मजबूत बॉन्डिंग रही है. अगर परिवार के किसी सदस्य की तबीयत इतनी खराब है कि उसे अमेरिका जाना पड़े, तो सोनिया और राहुल गांधी पूरे दो दिन के अधिवेशन में कैसे हिस्सा ले सकते हैं, यह उन्हें करीब से जानने वालों के लिए अचरज की बात है.

अधिवेशन वैसे तो सिर्फ दो दिन का था, लेकिन इसकी तैयारियों में काफी वक्त देना पड़ता है. कुछ लोग इसके पीछे राजनीतिक पहलू भी तलाश रहे हैं. यह मामला रहस्यपूर्ण इसलिए भी है कि न तो कांग्रेस की तरफ और न खुद प्रियंका की ओर से कोई ऐसा बयान जारी हुआ है, जो उनकी गैर मौजूदगी की वजह को साफ कर सके. पार्टी में यह मामला इसलिए जोर पकड़ रहा है, क्योंकि काफी लंबे अरसे से देखने में आया है कि प्रियंका कांग्रेस की महासचिव तो हैं, लेकिन उनकी कोई भूमिका स्पष्ट नहीं की गयी है. वह केरल के वायनाड से सांसद भी हैं, पर वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान भी वह संसद में मौजूद नहीं थीं. इसे यूडीएफ में शामिल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आइयूएमएल) ने मुद्दा भी बनाया था. पिछले छह-सात महीने से कांग्रेस की महासचिव होने के बावजूद प्रियंका को अब तक कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी गयी है.

उन्हें न तो किसी राज्य का प्रभारी बनाया गया है और न ही संगठन में कोई बड़ा काम सौंपा गया है. कांग्रेस में कई सहायक संगठन हैं, जैसे यूथ कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवादल आदि. संगठन में और भी अनेक महत्वपूर्ण कार्य होते हैं. हर महासचिव के नाम के आगे एक निश्चित भूमिका परिभाषित होती है. लेकिन प्रियंका के साथ ऐसा कुछ भी नहीं है. जब कांग्रेस अपनी सियासी मौजूदगी दर्ज करवाने के लिए पहले से भी ज्यादा संघर्षशील है, तब उसे ऐसे नेता की दरकार है, जो प्रभावशाली हो, जनता से सीधे संवाद कर सकता हो और सबसे बड़ी बात जो गांधी परिवार से हो. प्रियंका में ये सभी चीजें हैं, इसके बावजूद संगठन में उनकी सेवाएं न लेना न केवल आश्चर्यजनक है, बल्कि कांग्रेस नेतृत्व की अक्षमता को भी दशार्ता है. कांग्रेस के भीतर अनेक लोगों का मानना रहा है कि पार्टी में एक ऐसा इलेक्शन मैनेजमेंट सिस्टम हो, जो साल के 365 दिन, चौबीसों घंटे काम करे और इसकी जिम्मेदारी प्रियंका वाड्रा को सौंपी जाये.

राज्यों में चुनाव हो या लोकसभा के चुनाव, सारी तैयारियां इसी मैनेजमेंट सिस्टम के तहत की जाएं. कुछ महीने बाद बिहार में सबसे महत्वपूर्ण विधानसभा चुनाव हैं. उसके बाद केरल, असम और पश्चिम बंगाल के चुनाव होंगे. तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के चुनाव भी काफी अहम रहेंगे. वैसे कांग्रेस में सवाल तो राहुल गांधी की भूमिका को लेकर भी है

मोदी का नया मंत्र : देरी विकास का दुश्मन,

उमेश चतुर्वेदी

अमेरिकी लेखक जय एम फाइमैन की अमेरिकी बीमा कंपनियों के कामकाज को लेकर कुछ साल पहले एक पुस्तक आयी थी, डिले, डिनाय, डिफेंडङ्क इसमें फाइमैन ने साबित किया है कि किस तरह बीमा कंपनियां दावों को टालती हैं, देने से इनकार करती हैं और फिर अपने फैसले का बचाव करती हैं. नौकरशाही से जिनका पाला पड़ता रहता है, उन्हें भी पता है कि वह किस तरह फैसलों को टालती है. इस देर और इनकार की कीमत जनता और आखिरकार देश को चुकानी पड़ती है.

लंबे समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने तंत्र की इस खामी को समझा था. सबसे पहले इस कमजोरी पर काबू पाने की उन्होंने गुजरात में कोशिश की और देश की कमान संभालने के बाद उन्होंने तंत्र से इस खामी को दूर करने की कोशिश की. प्रधानमंत्री का यह कहना, कि देरी विकास का दुश्मन है और हमारी सरकार इस दुश्मन को हराने के लिए प्रतिबद्ध है, उनकी इसी सोच को जाहिर करता है. बीते दिनों एक कार्यक्रम में उन्होंने परियोजनाओं में देरी को देश के विकास का बड़ा रोड़ा बताया.

अपने संबोधन में उन्होंने स्वीकार किया कि परियोजनाओं में देरी से प्रगति बाधित होती है, जबकि तात्कालिक कार्रवाई से विकास को बढ़ावा मिलता है. अपने भाषण में उन्होंने असम के बोगीबील पुल परियोजन का उदाहरण दिया, जिसकी आधारशिला 1997 में तत्कालीन प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने रखी थी, बाद में सत्ता संभालते ही अटल बिहारी वाजपेयी ने उसका काम शुरू कराया. लेकिन बाद की सरकारों के दौरान पता नहीं, किन वजहों से इस परियोजना का काम रोक दिया

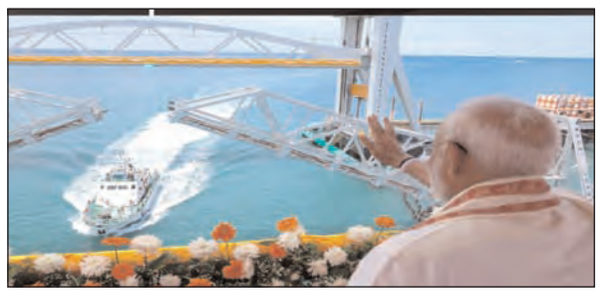

गया, जिससे अरुणाचल प्रदेश और असम के लाखों लोगों को परेशानियां झेलनी पड़ीं. उस योजना पर दोबारा काम मोदी सरकार के आने के बाद शुरू हुआ. चार साल में यह पुल बनकर तैयार हुआ और 2018 में इसे जनता के लिए खोला गया. अगर इस हिसाब से देखें, तो यह काम 2001 या 2002 में पूरा किया जा सकता था. पर ऐसा नहीं हो सका. सत्ता बदलते ही कई योजनाएं रोक दी जाती हैं और राजनीतिक नफा-नुकसान को देखते हुए उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है. केरल की कोल्लम बाइपास सड़क परियोजना को इसके उदाहरण के रूप में रखा जा सकता है. वह परियोजना 1972 में शुरू होनी थी, पर तकरीबन पचास साल तक वह लटकी रही. आखिरकार वह परियोजना भी मोदी सरकार के दौर में पूरी हुई. प्रधानमंत्री मोदी जब भी कोई नया काम शुरू करते हैं या देश के सामने कोई लक्ष्य रखते हैं, तो वह नया नारा भी गढ़ते हैं. देरी विकास का दुश्मन है इस कड़ी में उनका नया नारा है. देश में ऐसी कई परियोजनाएं मिल जायेंगी, जिन्हें तय वक्त तक पूरा नहीं किया जा सका. पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार को जोड़ने के लिए घाघरा नदी पर मांझी में एक पुल है. प्रसिद्ध कवि केदारनाथ सिंह ने इस पुल को केंद्र मे रखकर कविता ही रच डाली है. इस पुल का शिलान्यास जनता पार्टी के शासनकाल में हुआ, लेकिन अरसे बाद यह पुल बनकर तैयार हो पाया.

परियोजनाओं में देरी की ऐसी ढेरों कहानियां हैं. प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना का भी इस संदर्भ में उल्लेख किया है. देश की आर्थिक राजधानी के लिए बेहतर और सुगम हवाई सेवा की जरूरत से किसे इनकार हो सकता है. लेकिन नवी मुंबई में हवाई अड्डा बनाने की चर्चा 1997 में शुरू हुई. उस परियोजना को ठीक 10 वर्ष बाद, यानी 2007 में मंजूरी मिल पायी. लेकिन राजनीति और नौकरशाही से कोलाज वाले तंत्र की वजह से इस परियोजना पर ठोस रूप में काम नहीं हो पाया. प्रधानमंत्री ने इसके लिए उस दौरान केंद्र और महाराष्ट्र में काबिज रही कांग्रेस सरकारों को जिम्मेदार ठहराया.

मोदी सरकार इस परियोजना के कामकाज में तेजी लाने की दिशा में आगे बढ़ी है और उम्मीद है कि दूसरी कुछ परियोजनाओं की तरह नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना भी पूरी होगी. देश के आर्थिक विकास की नींव नरसिंह राव ने 1991 में रखी थी, जिनके सहयोग से तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने उदारीकरण की गति तेज की थी. देश की आर्थिकी को लाइसेंस राज और लालफीताशाही से दूर किया गया था. उस बदलाव का असर भी दिखा. पर राजकाज की कमान जिस तंत्र के हाथों में रही, वह पुरानी मानसिकता से ग्रस्त रहा. नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद इस मानसिकता पर थोड़ी लगाम जरूर लगी है. पर इस मोर्चे पर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है. देरी, विकास का दुश्मन है के प्रधानमंत्री के नये मंत्र का ही असर कहा जायेगा कि आर्थिक मोर्चे पर तय लक्ष्यों को हासिल करना आसान हुआ. आर्थिक मोर्चे पर बदलाव का असर है कि कुछ ही वर्षों में 11वें नंबर से भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गयी है.

आज की दुनिया के विकास का ईंधन एक तरह से जैविक ऊर्जा, यानी पेट्रोल और डीजल हैं. अरब देशों के आपसी संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत की पेट्रोलियम आपूर्ति में बाधा न पड़ना, चीन और अमेरिका के बीच जारी व्यापार युद्ध के बावजूद भारत की विकास दर में कमी ना आना एक तरह से भारत के संकल्प का नतीजा है. बेशक इसके लिए राजनीतिक नेतृत्व जिम्मेदार है, पर प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इसका श्रेय युवाओं को दिया. उन्होंने कहा कि यह अभूतपूर्व बढ़ोतरी युवाओं की आकांक्षाओं और महत्वाकांक्षाओं से प्रेरित है. इससे भारत के प्रति दुनिया का नजरिया बदला है. पहले दुनिया मानती थी कि भारत धीरे-धीरे प्रगति करेगा. उसी दुनिया को भारत आज अलग नजर आ रहा है.प्रधानमंत्री के शब्दों में कहें, तो दुनिया अब देश को तेज और निडर भारत के रूप में देख रही है. विश्वगुरु बनने की आकांक्षा हो या वैश्विक महाशक्ति बनना, इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए इसी सोच को हर स्तर पर न सिर्फ आगे बढ़ाना होगा, बल्कि उसे राष्ट्रीय प्राथमिकता के तौर पर भी विकसित करना होगा.

गर्मियों में छोटे बच्चों की सेहत का कैसे रखें ध्यान, अपनाएं ये टिप्स

गर्मियों के मौसम आने के बाद छोटे बच्चों का ध्यान रखना जरूरी है. बच्चों को गर्मी से बचाने के लिए माता-पिता कुछ ऐसे उपाय कर रहे हैं जो बच्चों की सेहत के लिए अच्छा नहीं है. बच्चों को कूलर और एसी की हवा में लिटाना या उन्हें भर-भर कर पॉउडर लगाना क्या उनकी सेहत के लिए सही है? इसके अलावा बच्चों के खाने में ठंडे पदार्थ शामिल करना भी क्या उनकी सेहत के लिए सही है. गर्मियों में बच्चों और खासतौर पर शिशुओं की देखभाल कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है. जिससे वह बीमार न पड़ें.

जिस तेजी से गर्मी बढ़ रही है आने वाले दिनों में हालत और ज्यादा खराब हो सकते हैं. इस गर्मी से बच्चों की तबीयत बिगड़ सकती है. गर्मियों में बच्चों को डायरिया. डिहाइड्रेशन और सनबर्न जैसी समस्याओं से जूझना पड़ सकता है. गर्मी के कारण बच्चे जल्दी जल्दी बीमार पड़ते हैं. बच्चों को लू लगने की आशंका भी बड़ों के मुकाबले ज्यादा रहती है. गर्मी में बच्चे बीमार न पड़े इसके लिए कुछ खास टिप्स जरूर अपनाएं.

मौसमी बीमारियों से बचाने के लिए क्या करें?

बच्चों को डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए थोड़ी थोड़ी देर में पानी पिलाते रहें. यदि बच्चा छोटा है तो उसे मां के दूध के साथ पानी भी जरूर दें. बच्चों को धूप से बचाएं. बच्चों को धूप में ज्यादा देर न रहने दें और उन्हें हल्के और पूरी बाजू वाले कपड़े पहनाएं. कपड़ों की संख्या सीमित ही रखें. ज्यादा कपड़े पहनाने से सेहत बिगड़ने का अंदेशा बना रहेगा. 6 महीने से अधिक आ? के बच्चों के भोजन में पौष्टिक पदार्थों को शामिल करें. इनमें दही भी शामिल कर सकते हैं.

सफाई का ध्यान रखें

बच्चों को गंदे कपड़े न पहनाएं और गंदे बिस्तर भी न सुलाएं. छोटे बच्चे अक्सर अपने हाथ या पैर का अंगूठामुंह में डाल लेते हैं. जिससे संक्रमण होने की आशंका रहती है. इसलिए छोटे बच्चों के हाथ और पैर साफ रखें.

इन लक्षणों का रखें ध्यान

बच्चों में होने वाले कुछ लक्षणों का ध्यान रखना चाहिए. बच्चा चिड़चिड़ा या सुस्त तो नहीं हो रहा. बच्चे की त्वचा रुखी तो नहीं कर रही है.

बंगलादेश के मुख्य सलाहकार बौद्ध समारोह में शामिल हुए

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश में अंतरिम सरकार के अंतर्गत इस्लामी कट्टरपंथ में वृद्धि के आरोपों के बीच मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने ढाका में अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध मठ में एक समारोह में हिस्सा लिया और देश के नागरिकों से कल पोहेला बैसाख उत्सव को अपने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार मनाने का आग्रह किया। मुख्य सलाहकार यूनुस ने बंगलादेश बौद्ध महासंघ द्वारा आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में ढाका में अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध मठ में सम्प्रीति भवन की आधारशिला रखी। द डेली स्टार के अनुसार, समारोह की अध्यक्षता उप संघराजा आदरणीय श्रीमत धर्मप्रिय महाथेरा ने की, जिसमें धार्मिक मामलों के सलाहकार डॉ. एएफएम खालिद हुसैन और चटगांव हिल ट्रैक्ट्स मामलों के सलाहकार सुप्रदीप चकमा सहित अन्य लोग उपस्थित हुए। बाद में मुख्य सलाहकार ने मुख्य प्रार्थना कक्ष और मठ का दौरा किया। एक संदेश में, श्री यूनुस ने सभी लोगों से देश की विविधता और एकता की भावना को प्रदर्शित करते हुए, अपने पारंपरिक धार्मिक-सांस्कृतिक रीति-रिवाजों और मान्यताओं के अनुसार पोहेला बैशाख उत्सव मनाने का आग्रह किया। द डेली स्टार के अनुसार श्री यूनुस ने अपने देशव्यापी संबोधन में कहा कि कल पहला बैशाख है। यह हमारे सौहार्द का प्रतीक है। हर कोई कल (पहला बैशाख) अपने तरीके से, अपने रीति-रिवाजों का पालन करते हुए मनाएगा।

ताजिकिस्तान में भूकंप के तेज़ झटके

दुशांबे। ताजिकिस्तान में भूकंप के तेज़ झटके महसूस किये गए। यूरोपीय-भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र (ईएमएससी) ने बताया कि भूकंप अंतरराष्ट्रीय समयानुसार 4:24 बजे खुजंद शहर से 170 किलोमीटर से अधिक दक्षिण-पूर्व की दूरी पर आया। भूकंप का केंद्र पृथ्वी की सतह से 16 किलोमीटर की गहराई पर स्थित रहा। अभी तक किसी के हताहत होने या नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं है। कुछ घंटे पहले मध्य म्यांमार और पापुआ न्यू गिनी के तट पर क्रमशः 5.5 और 5.7 तीव्रता के भूकंप आए थे।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो पेट दर्द के चलते अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

ब्राजील। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेर बोल्सोनारो को पेट में तेज दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों ने बताया कि उनकी हालत फिलहाल स्थिर है, लेकिन उन्हें उत्तर-पूर्वी ब्राजील से राजधानी ब्रासीलिया मेडिकल विमान से स्थानांतरित किया जाएगा। बोल्सोनारो को सुबह उस वक्त पेट में तेज दर्द हुआ जब वे उत्तर-पूर्वी ब्राजील के दौरे पर थे। डॉक्टरों ने बताया कि यह दर्द आंतों में रुकावट (बॉवेल ऑब्स्ट्रक्शन) की वजह से हुआ है, जो साल 2018 में चुनाव प्रचार के दौरान पेट में चाकू लगने की घटना से जुड़ी दीर्घकालिक समस्याओं का नतीजा है। पूर्व राष्ट्रपति पर 2018 में एक चुनावी रैली के दौरान हमला हुआ था, जिसमें उनके पेट में गंभीर चोट आई थी। उस हमले के बाद से वे कई बार अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं और 2019 से 2022 के बीच अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई सर्जरी करवाई थीं।

अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धः बांग्लादेश

ढ़ाका। बांग्लादेश के विदेश सचिव एमडी जाशिम उद्दिन ने हाल ही में बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस के बीच हुई मुलाकात को एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। बैठक में पीएम मोदी ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर भारत की चिंताओं को रेखांकित किया था। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि बांग्लादेश सरकार अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी और उनके खिलाफ अत्याचारों की गहन जांच की जाएगी। विदेश सचिव उद्दिन ने आश्वासन दिया कि बांग्लादेश अपनी धरती पर अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, हम अपने नागरिकों को लेकर किसी भी तरह की हिंसा या धमकी को बर्दाश्त नहीं करते। हमें अपनी जिम्मेदारियों का पूरा अहसास है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों नेताओं की इस मुलाकात से दोनों देशों के रिश्तों में आई खटास को दूर करने में मदद मिलेगी। उद्दिन ने कहा, हम उच्च राजनीतिक स्तर पर मुलाकात को दोनों पक्षों के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं। बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान हुई यह बैठक दोनों नेताओं के लिए पहली व्यक्तिगत मुलाकात थी। मैं इसे एक महत्वपूर्ण कदम मानता हूं, जो हमारे रिश्तों पर छाए बादलों को हटाने और आगे बढ़ने में मदद करेगा। उन्होंने भारत के साथ खुले संवाद और सहयोग पर जोर देते हुए हाल के उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान को भी रेखांकित किया।

पाकिस्तान में आधीरात ट्रेन को रास्ते में सुरक्षा कारणों से रोका गया

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कराची से क्वेटा जा रही बोलन मेल (3अप) को सुरक्षा कारणों से जैकोबाबाद रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया। यात्री रात भर परेशान रहे। उनमें सुबह कुछ को बसों के जरिए उनके गंतव्य स्थानों के लिए भेजा गया। कुछ यात्रियों को किराया वापस कर दिया गया। डॉन अखबार की खबर के अनुसार, रेलवे के अधिकारियों ने कहा कि ट्रेन आधी रात के बाद कराची से जैकोबाबाद पहुंची। संबंधित अधिकारियों ने स्टेशन मास्टर को सूचित किया कि ट्रेन को स्टेशन पर ही रोक दिया जाए और सुरक्षा मंजूरी मिलने तक इसे क्वेटा की ओर आगे न बढ़ने दिया जाए। पाकिस्तान रेलवे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आमिर अली बलूच ने क्वेटा जाने वाली बोलन मेल के घंटों तक रुके रहने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि

ऐसा सुरक्षा कारणों से किया गया क्योंकि रात के समय बलूचिस्तान में ट्रेन संचालन की अनुमति नहीं है। क्वेटा डिवीजन के एक वरिष्ठ रेलवे अधिकारी ने बताया कि ट्रेन में करीब 150 यात्री सवार थे। उन्होंने दावा किया कि सुरक्षा मंजूरी नहीं मिलने के बाद ट्रेन की आगे की यात्रा स्थगित कर दी गई और यात्रियों को कड़ी सुरक्षा के बीच बसों के जरिए क्वेटा और अन्य गंतव्यों के लिए भेज दिया गया। सीईओ ने कहा कि यह ट्रेन रात के समय जैकोबाबाद पहुंची और अगर यह अपनी यात्रा जारी रखती तो देररात सिबी पहुंचती। इसलिए ट्रेन को जैकोबाबाद में रोककर यात्रियों से सुबह तक इंतजार करने को कहा। उन्होंने कहा कि कुछ यात्रियों को रिफंड दिया गया, जबकि करीब 100 यात्रियों ने रेलवे अधिकारियों से वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था करने को कहा।

इसलिए उन्हें बसों के जरिए उनके गंतव्य तक भेजा गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों से ट्रेन खाली करने को कहा। इस पर यात्री भड़क गए और उन्होंने जैकबाबाद में विरोध प्रदर्शन किया। गुस्साए यात्रियों ने कहा कि रेलवे प्रशासन ने उनसे कराची से क्वेटा तक का किराया तो वसूल लिया, लेकिन बीच यात्रा में उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया।

पश्चिमी सूडान में आरएसएफ के हमले में 56 लोगों की मौत

एजेंसी

खार्तूम। पश्चिमी सूडान के उत्तरी प्रांत दारफुर के उम्म कडाडा में रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के हमले में 56 लोग मारे गए हैं। स्वयंसेवी समूहों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरएसएफ ने शहर पर नियंत्रण करने के बाद हमला किया । सभी मृतक स्थानीय नागरिक हैं। एक स्थानीय स्वयंसेवी समूह ने मिलिशिया पर व्यापक उल्लंघन करने, निवासियों को जबरन विस्थापित करने और सभी संचार नेटवर्क बंद करने का आरोप लगाया। आरएसएफ ने आवासीय घरों

को जला दिया और संपत्तियों को लूट लिया। इसके अलावा स्थानीय अस्पताल पर भी हमला किया और अस्पताल के निदेशक सहित चार चिकित्सा कर्मचारियों की हत्या कर दी।

यूक्रेन युद्ध पर बातचीत सकारात्मक दिशा में, त्वरित हल की उम्मीद नहीं: क्रेमलिन

एजेंसी

मॉस्को। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से यूक्रेन युद्ध के समाधान की दिशा में की जा रही कोशिशों पर क्रेमलिन ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वाशिंगटन के साथ संपर्क 'बहुत अच्छे' स्तर पर है, लेकिन त्वरित कोई परिणाम निकालना संभव नहीं है। क्रेमलिन ने यह बयान ऐसे समय पर दिया है जब ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से सेंट पीटर्सबर्ग में चार घंटे लंबी वार्ता की। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने रूसी राज्य टीवी से बातचीत में कहा, ÷संपर्क कई स्तरों पर हो रहे हैं- विदेश मंत्रालय, खुफिया एजेंसियों और निवेश प्रतिनिधियों के माध्यम से। लेकिन बाइडन प्रशासन के दौरान संबंधों को जो क्षति पहुंची, उसे देखते हुए त्वरित परिणाम की उम्मीद करना उचित नहीं होगा। प्रवक्ता ने कहा कि- डोनाल्ड ट्रंप, जो खुद को 'शांति दूत' के रूप में याद किया जाना चाहते हैं, कई बार

कह चुके हैं कि वे यूक्रेन में तीन साल से जारी 'रक्तपात' को खत्म करना चाहते हैं। ट्रंप का प्रशासन अब इस युद्ध को अमेरिका और रूस के बीच एक 'प्रॉक्सी युद्ध' के रूप में देखता है, जो रूस के नजरिए से मेल खाता है। पेस्कोव ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और पुतिन की मुलाकात की संभावनाएं बनी हुई हैं, लेकिन अभी इस दिशा में संयम और धैर्य के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा, संबंधों की बहाली में समय और गंभीर प्रयास लगते हैं।÷वहीं शांति की पहल के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि कुछ हद तक बातचीत सही दिशा में जा रही है, लेकिन एक बिंदु आता है जब या तो आगे बढ़ना पड़ता है या चुप रहना होता है। दूसरी ओर, यूरोपीय देशों और यूक्रेन ने 2022 में शुरू हुए इस युद्ध को पुतिन की साम्राज्यवादी महत्वाकांक्ष बताया है, जबकि रूस इसे पश्चिम की उकसावे वाली राजनीति का जवाब मानता है। फिलहाल रूस, यूक्रेन के लगभग पांचवें हिस्से पर नियंत्रण बनाए हुए है।

यूक्रेन के सुमी शहर पर रूसी मिसाइल हमले में 32 नागरिकों की मौत

एजेंसी

कीव। यूक्रेन के सुमी शहर में रूस द्वारा किए गए मिसाइल हमले में 32 नागरिकों की मौत हो गई, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, सुबह लगभग 10:15 बजे दो बैलिस्टिक मिसाइलों ने शहर के मध्य हिस्से को निशाना बनाया। हमले के समय लोग पाम संडे का उत्सव मना रहे थे। कार्यवाहक मेयर आर्टेम कोबजार ने कहा, इस उजले पाम संडे पर हमारे समुदाय ने भयानक त्रासदी झेली है। दुर्भाग्यवश, 30 से अधिक लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है।÷ यूक्रेन की स्टेट इमरजेंसी सर्विस के अनुसार, 32 लोगों की मौत हो चुकी है और 84 अन्य घायल हुए हैं, जिनमें 10 बच्चे शामिल हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि राहत कार्य जारी है। उन्होंने कहा, हमले में दर्जनों नागरिक मारे गए और कई घायल हुए हैं। इस तरह के हमले केवल आतंकवादियों की मानसिकता दर्शाते हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देने की अपील

की।एक सप्ताह पहले ज़ेलेंस्की के गृहनगर क्रिवी रीह में भी रूसी मिसाइल हमले में 20 लोगों की जान गई थी, जिनमें 9 बच्चे भी शामिल थे। उधर, खारकीव शहर में भी एक रूसी हमले में एक किंडरगार्टन को नुकसान पहुंचा, हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। यह घटना ऐसे समय पर हुई है जब अमेरिका की मध्यस्थता में रूस और यूक्रेन के बीच ऊर्जा संरचना पर हमले रोकने को लेकर बातचीत चल रही थी, लेकिन हालिया घटनाएं युद्धविराम की चुनौतियों को उजागर कर रही हैं।

नेपाली नव वर्ष पर पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह का वीडियो संदेश, हिंसक घटना पर जताया खेद

एजेंसी

काठमांडू। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह ने 28 मार्च की घटना के बारे में अपना पक्ष रखा है। विक्रम संवत 2082 के अवसर पर नव वर्ष शुभकामना संदेश देने के लिए जारी एक वीडियो संदेश में, शाह ने काठमांडू में हिंसक घटना को संक्षेप में संबोधित किया। प्रधानमंत्री और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता हिंसक घटना पर पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह से अपना रुख स्पष्ट करने की मांग कर रहे थे। अपने नए साल की बधाई में, शाह ने टिप्पणी करते हुए हाल ही में सार्वजनिक विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा, आगजनी और बर्बरता के बारे में सुनकर बहुत दुखी होने की बात कही है। पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के सचिवालय के तरफ से उनके संवाद सचिव फणीराज पाठक ने वीडियो संदेश साझा करते

हुए देश की वर्तमान राजनीतिक, आर्थिक अवस्था पर शाह के विचार को जनता के सामने लाने की बात कही है। पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह ने अपने नव वर्ष के शुभकामना संदेश में यह भी कहा कि कोई भी प्रणाली या विचारधारा नागरिकों की स्वतंत्रता से बड़ी नहीं है। उन्होंने कहा कि सच्चा लोकतंत्र मौजूद है जहां शिकायतों और प्रशंसा दोनों को सुनने की परंपरा और संस्कृति है। ज्ञानेन्द्र ने यह भी कहा कि हम राष्ट्र और उसके भविष्य के बारे में नेपाली लोगों के बीच जागृति को सकारात्मक रूप से देखते हैं। ज्ञानेन्द्र शाह ने अपने संदेश में स्वीकार किया कि देश को मौजूदा जटिलताओं से मुक्त करने और एक शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए जागरूकता बढ़ी है। शाह ने विश्वास व्यक्त किया कि परिणाम 2082 में प्राप्त किए जाएंगे। उन्होंने कहा नेपाल में राजशाही ने हमेशा आम नेपाली को अशांति, अराजकता, निराशा और असंतोष से मुक्त करने में योगदान दिया है। हमारा विश्वास हमेशा राष्ट्रवाद और लोकतंत्र में रहा है और जनता की भावनाओं के अनुरूप बहुदलीय लोकतंत्र और संवैधानिक राजशाही का पालन करता रहा है।

सऊदी अरब और अमेरिका नागरिक परमाणु समझौते की दिशा में अग्रसरः ऊर्जा सचिव

एजेंसी

रियाद। अमेरिका के ऊर्जा सचिव क्रिस राइट ने रियाद में कहा कि अमेरिका और सऊदी अरब एक प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर करने की दिशा में अग्रसर हैं, जिसके तहत सऊदी अरब में नागरिक परमाणु ऊर्जा उद्योग के विकास में सहयोग किया जाएगा। सऊदी अरब की अपनी पहली यात्रा के दौरान ऊर्जा सचिव क्रिस राइट ने सऊदी ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुलअज़ीज़ बिन सलमान से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने बताया कि दोनों देश एक रास्ते पर हैं जहां वे नागरिक परमाणु कार्यक्रम में सहयोग को लेकर समझौते तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस सहयोग पर आधारित एक ज्ञापन (एमओयू) के विवरण साल के अंत तक सामने आ सकते हैं। राइट ने कहा, अगर अमेरिका इस परमाणु कार्यक्रम में साझेदार बनता है, तो निश्चित रूप से एक 123 समझौता होगा। इस तरह के कई ढाँचे संभव हैं, जो सऊदी और अमेरिकी दोनों पक्षों के उद्देश्यों को पूरा कर सकते हैं। अमेरिका के परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1954 की धारा 123 के अंतर्गत आने वाला यह समझौता किसी भी विदेशी सरकार या कंपनी के साथ परमाणु तकनीक साझा करने से पहले आवश्यक होता है। इस समझौते के तहत गैर-प्रसार से जुड़ी नौ शर्तें पूरी करनी होती हैं, ताकि परमाणु तकनीक का दुरुपयोग नहीं हो सके। हालांकि, अब तक सऊदी अरब ने इन शर्तों को स्वीकार नहीं किया है।

दक्षिण कोरिया : यून की पेशी, अदालत के बाहर जमा हुए पूर्व राष्ट्रपति के समर्थक और विरोधी

एजेंसी

सोल। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल के समर्थक और विरोधी सोमवार को सोल की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के बाहर जमा हुए। यून यहां एक आपराधिक मामले की पहली सुनवाई में शामिल होने आए थे। यह मामला पिछले साल उनके मार्शल लॉ लागू करने की घोषणा से जुड़ा है। करीब 20 लोग जो यून के समर्थक थे, सुबह 9 बजे से ही कोर्ट के सामने इकट्ठा हो गए। उन्होंने दक्षिण कोरिया और अमेरिका के झंडे लहराए और यून फिर से जैसे नारे लगाए। कुछ लोगों ने जोर-जोर से कहा, राष्ट्रपति दोषी नहीं हैं। समाचार एजेंसी के मुताबिक, कोर्ट के गेट के सामने वाली सड़क पर एक बैनर लगा था, जिसमें यून के केस के मुख्य जज की तारीफ की गई थी। सुबह 9:50 बजे यून को लेकर एक कार कोर्ट में पहुंची। उन्हें

देखकर उनके समर्थक काफी जोश में आ गए। इसी दौरान, यून के विरोधियों का एक समूह कोर्ट के पास इकट्ठा हुआ। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूर्व राष्ट्रपति को फिर से गिरफ्तार करने और उन्हें सख्त सजा देने की मांग की। सोल की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में यून के खिलाफ बगावत के आरोपों पर सोमवार को सुनवाई होनी है। योनहाप न्यूज एजेंसी के मुताबिक, यून को इस केस में आरोपी के तौर पर कोर्ट में मौजूद रहना जरूरी है। यून ऐसे पांचवें पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन्हें आपराधिक मामले का सामना करना पड़ रहा है। जनवरी में यून को गिरफ्तार किया गया और उन पर आपराधिक विद्रोह का आरोप लगाया गया। लेकिन, पिछले महीने सोल कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी को रद्द कर दिया और उन्हें बिना जेल में रखे मुकदमा चलाने की अनुमति दी, जिसके बाद उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया। बता दें राष्ट्रपति यून ने 03 दिसंबर की रात को दक्षिण कोरिया में आपातकालीन मार्शल लॉ की घोषणा की, लेकिन संसद द्वारा इसके खिलाफ मतदान किए जाने के बाद इसे निरस्त कर दिया गया। मार्शल लॉ कुछ घंटों के लिए ही लागू रहा लेकिन इसने देश की राजनीति को हिला कर रख दिया। नेशनल असेंबली ने राष्ट्रपति यून सुक-योल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित किया। संवैधानिक न्यायालय ने पिछले दिनों उनके खिलाफ महाभियोग को जारी रखा जिसके बाद उन्हें पद छोड़ना पड़ा।

पाकिस्तान ने फिर से अफगानिस्तान पर आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाया

एजेंसी

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच लगातार तनाव होने के बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बार फिर काबुल पर आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाया है। टोलो न्यूज के अनुसार, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफ़कत अली खान ने संवाददाताओं को दिए एक बयान में कहा कि ÷हम इस बात पर बल देते रहे हैं कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंध है, हम इतिहास, संस्कृति, भाषा से बंधे हुए पड़ोसी देश हैं। हम संबंधों को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं; लेकिन सबसे बड़ी बाधा, निश्चित रूप से, सुरक्षा स्थिति और आतंकवादियों को पनाह देना है।÷ इससे पहले, अफगानिस्तान के लिए पाकिस्तान के पूर्व विशेष दूत मोहम्मद सादिक ने इस्लामाबाद में एक सत्र के दौरान द्विपक्षीय संबंधों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को मुख्य बाधा बताया था और इस मुद्दे का समाधान करने पर बल दिया था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर इस मुद्दे को नहीं सुलझाया गया तो दोनों देशों के बीच सभी समझौते रद्द हो सकते हैं। इस्लामाबाद ने काबुल पर टीटीपी आतंकवादियों को शरण देने और उनका समर्थन करने का आरोप लगाया है, जो अफगानिस्तान की धरती का उपयोग पाकिस्तान में आतंकवादी हमला करने के लिए करते हैं, जिनमें आत्मघाती बम विस्फोट, सैन्यकर्मियों की हत्या और अवसंरचना को नष्ट करना शामिल है। अफगानिस्तान ने इन आरोपों का पूरी तरह खंडन करते हुए कहा कि टीटीपी एक पाकिस्तानी समूह है जिसे इस्लामाबाद ने बनाया है और उनसे निपटने में उनकी असमर्थता पूरी तरह से उनकी गलती है। राजनीतिक विश्लेषक गुल मोहम्मददीन मोहम्मदी ने अफ़गानिस्तान और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंधों के बारे में कहा कि ये दोनों पड़ोसी देश हैं। उन्हें बातचीत के माध्यम से अपनी समस्याओं का समाधान करने की आवश्यकता है और डूरंड रेखा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के लिए और ज़्यादा मुश्किलें पैदा करने से बचना चाहिए। दोनों देशों के बीच संबंध लगातार तनावपूर्ण और शत्रुतापूर्ण होते जा रहे हैं, क्योंकि काबुल ने बार-बार डूरंड रेखा को मान्यता देने से इनकार किया है तथा उसकी सेनाएं सीमा पर पाकिस्तानी सेना द्वारा लगाए गए बाड़ों और अवसंरचना को नष्ट कर रही हैं। इसके परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच सीमा पार से गोलीबारी की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। इसके अलावा, अफ़गानिस्तान ने बार-बार पाकिस्तान द्वारा पश्तूनों के साथ किए जाने वाले खराब व्यवहार की शिकायत की है ।

अमेरिका- डीओजीई के कर्मचारी को ट्रेजरी विभाग की संवेदनशील जानकारी तक पहुंच की अनुमति

एजेंसी

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क की एक जज ने एलन मस्क के सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) पर लगी एक रोक में ढील दी है। डीओजीई को अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की संवेदनशील जानकारी तक पहुंचने की अनुमति नहीं है। हालांकि, जज जेनेट ए. वर्गास ने कहा कि डीओजीई के कर्मचारी ryan वंडरली को ट्रेजरी विभाग के संवेदनशील भुगतान और डाटा प्रणाली तक पहुंचने की अनुमति दी जा सकती है, लेकिन इसके लिए उन्हें कुछ खास प्रशिक्षण लेना होगा, जैसाकि ट्रेजरी विभाग के अन्य कर्मचारियों को मिलती है। साथ ही उन्हें बाद में अपनी वित्तीय जानकारी भी देनी होगी।

यह अनुमति ऐसे समय में दी गई है, जब हाल ही में 19 डेमोक्रेट राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने गोपनीयता के मुद्दों को लेकर डीओजीई के खिलाफ मामला दायर किया है। उन्होंने दावा किया था कि मस्क की डीओजीई टीम में राजनीतिक नियुक्तियां हुई हैं, जिनकी ट्रेजरी विभाग के रिकॉर्ड तक पहुंच नहीं होनी चाहिए।

गाजा में तुरंत खत्म हो युद्ध : इजरायल के भीतर उठी आवाज, पूर्व खुफिया अधिकारियों का नेतन्याहू को पत्र

एजेंसी

यरूशलम। इजरायल की मोसाद खुफिया एजेंसी के 250 से अधिक पूर्व अधिकारियों ने सरकार से गाजा पट्टी में युद्ध को तुरंत समाप्त करने की अपील की। इजरायल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी न्यूज के मुताबिक पूर्व अधिकारियों ने सरकार को पत्र लिखकर यह मांग की। रिपोर्ट के अनुसार, हस्ताक्षरकर्ताओं में मोसाद के तीन पूर्व प्रमुख डैनी याटोम, एफ्रेम हेलेवी और तामीर पार्डो के साथ-साथ दर्जनों अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। मोसाद के पूर्व सदस्यों ने कहा, लगातार लड़ाई बंधकों और हमारे सैनिकों के जीवन को खतरे में डाल रही है। इस पीड़ा को समाप्त करने वाले समझौते तक पहुंचने के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए। हम सरकार से साहसी फैसला लेने और देश की सुरक्षा के लिए जिम्मेदारी से काम करने की अपील करते हैं। समाचार एजेंसी

सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने उन सैकड़ों सैन्य कर्मियों, [चाहे वे रिजर्व में हों या रिटायरमेंट], के प्रति समर्थन व्यक्त किया जिन्होंने इसी तरह के पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। पत्र में युद्ध समाप्त करने और बंधकों की वापसी की अपील की गई थी। गुरुवार को एयरक्रू सदस्यों के पत्र के प्रकाशन के बाद, इजरायली वायु सेना कमांडर टोमर बार ने हस्ताक्षरकर्ताओं में शामिल सक्रिय रिजर्विस्टों की सेवा समाप्त करने का फैसला लिया। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बर्खास्तगी के फैसले का समर्थन किया और ऐसे पत्रों की निंदा की। उन्होंने हस्ताक्षरकर्ताओं को एक चरमपंथी हाशिए का समूह कहा, जो इजरायली समाज को अंदर से तोड़ने की कोशिश कर रहा है। पत्र की प्रति प्रकाशित करने वाले कई मीडिया आउटलेट्स के अनुसार, लगभग 200 इजरायली सैन्य डॉक्टरों ने लड़ाई रोकने और बंधकों को घर वापस लाने की मांग के साथ एक याचिका पर हस्ताक्षर किए। इसमें कहा गया, गाजा में जारी लड़ाई का मुख्य उद्देश्य राजनीतिक और व्यक्तिगत हितों की पूर्ति करना है, इसका कोई सुरक्षा उद्देश्य नहीं है, इससे सैनिकों और बंधकों का जीवन खतरे में पड़ रहा है।हमास ने 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजरायल पर हमला करके 251 लोगों को बंधक बना लिया। वर्तमान में, 59 इजरायली बंधक गाजा में हैं, जिनमें से 24 के अभी भी जीवित होने का अनुमान है। जनवरी में इजरायल और हमास ने बंधकों के लिए तीन चरणों में संघर्ष विराम पर सहमति जताई थी। हालांकि, छह सप्ताह का पहला चरण 1 मार्च को समाप्त होने के बाद दूसरे दौर की बातचीत में गतिरोध पैदा हो गया। इसके बाद इजरायल ने युद्धविराम गतिरोध के बीच 18 मार्च को गाजा में सैन्य अभियान फिर से शुरू कर दिया।

कोहली की हार्टबीट बढ़ी, भागे आए संजू सैमसन, दिल पर रखा हाथ, कांमेंटेटर हैरान

एजेंसी

जयपुर । जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आईपीएल 2025 के रोमांचक मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (ऋ) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेले गए मैच में उस समय चिंता का माहौल बन गया, जब विराट कोहली ने गर्मी के कारण दिल पर हाथ रखे नजर आए। आरसीबी के 174 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कोहली ने अचानक खेल रोका और राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन को इशारे से अपनी धड़कन जांचने को कहा। यह इस हाई-वोल्टेज मैच में एक अप्रत्याशित और मानवीय पल था। सैमसन ने हैरानी के बावजूद सहानुभूति दिखाई और कोहली को आश्वस्त किया। तुरंत बाद आरसीबी की मेडिकल टीम कोहली की मदद के लिए पहुंची। कमेंट्री बॉक्स में नवजोत सिंह सिद्धू ने बताया कि दोपहर की तपती गर्मी के कारण कोहली डिहाइड्रेशन का शिकार हो गए थे। उन्हें जल्दी हाइड्रेट किया गया, जिसके बाद उन्होंने खेल फिर से शुरू किया। विराट कोहली ने अपने करियर में एक और रिकॉर्ड जोड़ लिया। अब वह टी20 में 100 अर्धशतक पूरे करने वाले पहले एशियाई बल्लेबाज बन गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर टी20 क्रिकेट में 100 अर्धशतक बनाने वाले पहले क्रिकेटर हैं।

बुमराह और करुण नायर में तल्खी, मैदान पर हुआ बड़ा ड्रामा, रोहित का रिएक्शन वायरल

नई दिल्ली। अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले में उस समय माहौल गरमा गया, जब जसप्रीत बुमराह और करुण नायर के बीच मैदान पर टकराव हो गया। यह घटना पावरप्ले के आखिरी ओवर में हुई, जब नायर अपनी शानदार 22 गेंदों में अर्धशतक पूरा करने के लिए दूसरा रन लेने दौड़े और अनजाने में बुमराह से टकरा गए। नायर जोकि 1077 दिनों बाद आईपीएल में वापसी कर रहे थे, ने बुमराह के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया और उनके एक ओवर में 18 रन ठोक डाले, जिसमें 2 छक्के और 1 चौका शामिल था। इस शानदार बल्लेबाजी ने बुमराह को दबाव में ला दिया, जिन्होंने पहले दो ओवरों में 29 रन लुटाए थे। टकराव के बाद नायर ने तुरंत हाथ उठाकर माफी मांगी और स्थिति समझाने की कोशिश की, लेकिन बुमराह नाराज दिखे और दोनों के बीच कुछ तीखी बातें हुईं। कमेंटेटर हर्षा भोगले ने नायर की बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कहा कि वह बुमराह को किताब की तरह पढ़ रहे हैं! इस बीच, मुंबई के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को सर्कल के किनारे हंसते और इशारों में मजाक करते देखा गया, जिसने इस घटना में हल्का-सा हास्य जोड़ दिया। नायर ने अपनी पारी के दौरान 40 गेंदों में 89 रन बनाए। वह 12वें ओवर में आऊट हो गए जिससे वह अपना पहला आईपीएल शतक चूक गए।

पेरिस फ्री स्टाइल शतरंज : कार्लसन और नाकामुरा के बीएच होगा फाइनल, अर्जुन नें नेपोमनिशि को हराया

पेरिस। फ्री स्टाइल ग्रांड स्लैम शतरंज के सेमी फाइनल में नॉर्वे के मैगनस कार्लसन नें यूएसए के फबियानों करूआना को और यूएसए के हिकारु नाकामुरा नें जर्मनी के विन्सेंट केमर को पराजित करते हुए फाइनल में जगह बना ली है और अब इन दोनों के बीच बेस्ट ऑफ टू क्लासिकल मुक़ाबले का फ़ाइनल खेलेंगे । वहीं हारने वाले दोनों खिलाड़ी अब तीसरे और चौथे स्थान के लिए टक्कर लेंगे । पांचवें स्थान की दौड़ में भारत के अर्जुन एरिगासी नें आज शानदार वापसी की और उन्होने रूस के यान नेपोमिन्सी के खिलाफ पहला क्लासिकल मुक़ाबला हारने के बाद पहले जीत दर्ज कर स्कोर बराबर कर वापसी की और फिर टाईब्रेक में 1.5-0.5 से जीत दर्ज करते हुए आगे बढ़ गए और अब उनका सामना फ्रांस के मकसीम लागरेव से पांचवें और छठे स्थान के लिए होगा जिन्होने खुद अर्जुन के तरह वापसी करते हुए उज़्बेक्सितान के अब्दुसत्तोरोव को पराजित किया ।

धूप में बल्लेबाजी करना कठिन था: संजू सैमसन ने बताई हार की वजह

नई दिल्ली। गुजरात के बाद आरसीबी ने भी राजस्थान रॉयल्स को आईपीएल के रोमांचक मुकाबले में हरा दिया और अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। राजस्थान पहले खेलते हुए जयसवाल के 75 रनों के बावजूद 173 रन ही बना पाई। इस लक्ष्य को विराट और सॉल्ट की जोड़ी ने अर्धशतक लगाकर आसान बना दिया। मैच गंवाने के बाद राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन निराश दिखे। जब उसने 170 के कम टारगेट के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इस तरह के धीमे विकेट पर टॉस हारने के बाद, दिन के खेल में पहले 10 ओवरों के लिए धूप में पहले बल्लेबाजी करना कठिन होता है। सैमसन ने कहा कि हम जानते थे कि वे हमें कड़ी टक्कर देंगे। मुझे लगता है कि उन्होंने पावरप्ले में जो किया उससे वह गेम निकालकर ले गए। वैसे भी कैच मैच जिताते हैं। उन्होंने भी हमारे कैच छोड़े और हमने भी उनके कैच छोड़े (मुस्कुराते हुए)। इसमें कोई शक नहीं कि हमें सुधार करना होगा। आरसीबी को श्रेय जाता है। दूसरी पारी में गेंद बेहतर आई।

कार्लोस अल्कराज ने जीता मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब

एजेंसी

मोनाको। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने खेले गए फाइनल मुकाबले में इटली के लोरेंजो मुसेट्टी को हराकर अपना पहला मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया है। 21 वर्षीय अल्काराज ने यह मुकाबला 3-6, 6-1, 6-0 से अपने नाम किया। यह कार्लोस अल्कराज के करियर का छठा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब है। इसके साथ ही यूरोपीय क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत उन्होंने जीत के साथ की है। अब अल्कराज फ्रेंच ओपन में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे। मैच की शुरुआत में अल्कराज लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते दिखे और उन्होंने अपने शुरुआती दो सर्विस गेम गंवा दिए। पहले सेट में उन्होंने 14 अनफोर्स्ड एरर किए, जिसका फायदा उठाकर मुसेट्टी ने 6-3 से बढ़त बना ली। हालांकि, इसके बाद अल्कराज ने जबरदस्त वापसी की और दूसरा सेट

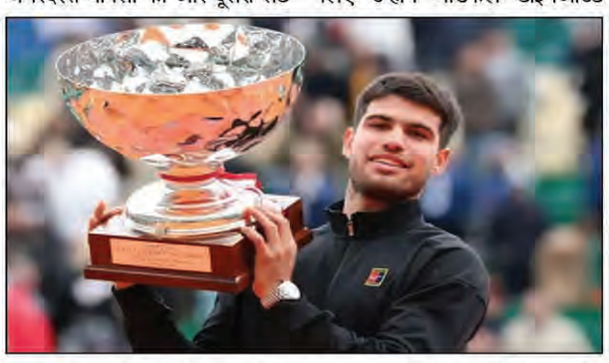

6-1 से अपने नाम किया। तीसरे और निर्णायक सेट में उन्होंने मुसेट्टी को पूरी तरह दबाव में रखते हुए 6-0 से मुकाबला समाप्त कर खिताब अपने नाम किया। मैच के दौरान लोरेंजो मुसेट्टी को तीसरे सेट में दाहिने पैर में परेशानी हुई, जिसके लिए उन्होंने मेडिकल टाइमआउट लिया। हालांकि, वह कोर्ट पर लौटे, लेकिन ज्यादा संघर्ष नहीं कर पाए। जीत के बाद अल्कराज ने कहा, मैं इस तरह मैच नहीं जीतना चाहता था। लोरेंजो ने इस हफ्ते बेहद कठिन मुकाबले खेले। मैं उनके लिए दुख महसूस कर रहा हूं कि मुकाबला इस तरह खत्म हुआ। मैं मोंटे कार्लो का खिताब जीतकर बेहद खुश हूं। पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए कोर्ट के अंदर और बाहर दोनों ही जगह मुश्किल भरे रहे, लेकिन मेहनत का नतीजा देखकर अच्छा लग रहा है। इस जीत के साथ ही कार्लोस अल्कराज सोमवार को जारी होने वाली ताजा एटीपी रैंकिंग में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को पीछे छोड़कर विश्व नंबर-2 बन जाएंगे। पिछले साल फ्रेंच ओपन के बाद से क्ले कोर्ट पर अल्कराज का यह 17वां जीत और कुल रिकॉर्ड 17-1 है। उन्हें इस दौरान एकमात्र हार पेरिस 2024 ओलंपिक के फाइनल में नोवाक जोकोविच के हाथों मिली थी।

तीरंदाजी वर्ल्ड कप स्टेज-1 : पुरुष रिकर्व टीम इवेंट में भारत ने जीता रजत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज-1 में पुरुष रिकर्व टीम इवेंट का रजत मेडल अपने नाम किया। खेले गए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम को चीन के हाथों 1-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम की ओर से धीरज बोम्मडेवरा, तरूणदीप राय और अतानु दास की तिकड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट में भारत का तीसरा पदक दिलाया। इससे पहले भारत ने कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट में स्वर्ण और कंपाउंड मेंस टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता था।

पहले सेट में बराबरी, फिर चीन ने ली बढ़त

रिकर्व टीम इवेंट के गोल्ड मेडल मुकाबले में भारत और चीन की टीमों ने पहले सेट में 54-54 की बराबरी की। लेकिन दूसरे सेट में चीन ने चार 10 का स्कोर करते हुए 58-55 से जीत दर्ज की और 3-1 की बढ़त बना ली। भारत की ओर से एक बार फिर 8 अंक स्कोर कर पिछड़ने का खामियाजा भुगतना पड़ा। तीसरे सेट में भी चूकी भारतीय टीम, चीन ने स्वर्ण किया अपने नाम तीसरे सेट में भारत को मैच में बने रहने के लिए जीत दर्ज करनी थी, लेकिन भारतीय

तीरंदाज 54 अंक ही जुटा सके। चीन ने 55 अंक बनाकर सेट और मुकाबला दोनों अपने नाम कर लिया। इसी के साथ चीन ने स्वर्ण पदक जीता। कंपाउंड मेंस इंडिविजुअल कैटेगरी में भारत के अनुभवी अभिषेक वर्मा मेडल से चूक गए और चौथे स्थान पर रहे। वहीं, धीरज बोम्मडेवरा मेंस रिकर्व इंडिविजुअल इवेंट में अभी भी मुकाबले में बने हुए हैं, जिनका प्रदर्शन दिन में बाद में होगा।

आईपीएल 2025: धीमी ओवर गति के कारण अक्षर पटेल पर लगा 12 लाख रुपये का जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल) के 29वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को अपने ही घर अरुण जेटली स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के हाथों 12 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले में दिल्ली की ओर से करुण नायर ने शानदार 89 रन की पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। वहीं, धीमे ओवर रेट के चलते दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

करुण नायर की पारी गई बेकार, तीन रन आउट ने पलटा मैच: दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। मुंबई इंडियंस ने तिलक वर्मा की अर्धशतकीय पारी और सूर्यकुमार यादव व नमन धीर की तेजतर्रार बल्लेबाजी के दम पर 20 ओवर में 205/5 रन बनाए। जवाब में दिल्ली की शुरुआत बेहद खराब रही और पहले ही गेंद पर जैक फ्रेजर मैकगर्क बिना खाता खोले आउट हो गए। दिल्ली की ओर से करुण नायर ने तीन साल बाद आईपीएल में खेलते हुए 40 गेंदों पर 12 चौके और 5 छक्कों की मदद से 89 रन की धमाकेदार पारी खेली। इसके अलावा

केवल अभिषेक पोरेल ने 33 रन बना सके। आखिरी ओवरों में दिल्ली ने तीन विकेट रन आउट से गंवाए, जिसने मैच का रुख पलट दिया और दिल्ली 19 ओवर में 193 रन पर सिमट गई। मुंबई ने 12 रन से मुकाबला अपने नाम किया।

अक्षर पटेल पर धीमे ओवर रेट के चलते लगा जुर्माना

इस मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल के आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत ओवर रेट में पहली बार नियम का उल्लंघन किया। इस वजह से कप्तान अक्षर पटेल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

अक्षर पटेल ने बताई हार की वजह: मैच के बाद पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में अक्षर पटेल ने हार की बड़ी वजह खराब शॉट चयन और मिडिल ऑर्डर के विफल रहने को बताया। उन्होंने कहा, हम मैच को अपने हाथ में ले आए थे। कुछ सॉफ्ट डिसमिसल और खराब शॉट्स ने हमें नुकसान पहुंचाया। हर बार लोअर ऑर्डर से उम्मीद नहीं कर सकते। हमें इस हार को भूलना होगा और आगे बेहतर खेल दिखाना होगा।

मुंबई इंडियंस ने तोड़ी दिल्ली की जीत की लय: इस हार के साथ ही दिल्ली कैपिटल्स की चार मैचों की जीत की लय टूट गई और टीम पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर खिसक गई। वहीं, मुंबई इंडियंस ने सीजन की अपनी दूसरी जीत दर्ज करते हुए सातवें पायदान पर जगह बना ली।

मेजर लीग सॉकर: इंटर मियामी ने शिकागो फायर के खिलाफ खेला गोल रहित ड्रॉ

एजेंसी

शिकागो। अमेरिकी मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में इंटर मियामी और शिकागो फायर के बीच मुकाबला बिना किसी गोल के ड्रॉ रहा। लियोनेल मेसी ने पूरे 90 मिनट मैदान पर बिताए और कई रोमांचक मौके बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। मुकाबले में दोनों टीमों के गोलकीपर्स ने शानदार प्रदर्शन किया और पहली बार इस सीजन में क्लीन शीट हासिल की।

मेसी के दो शानदार प्रयास, लेकिन किस्मत ने नहीं दिया साथ: इस मुकाबले में लियोनेल मेसी ने 64वें और 85वें मिनट में गोल करने की पूरी कोशिश की। पहले मेसी का शानदार शॉट शिकागो के गोलकीपर क्रिस ब्रैडी ने क्रॉसबार की मदद से बचाया, वहीं दूसरे मौके पर भी गेंद क्रॉसबार से टकराकर बाहर चली गई। मेसी ने लुइस सुआरेज को भी एक बेहतरीन पास दिया था, लेकिन वह ऑफसाइड करार दिया गया।

इंटर मियामी का लगातार दूसरा ड्रॉ: कॉनकाकैफ चैंपियंस कप क्वार्टर फाइनल में एलएएफसी के खिलाफ जबरदस्त वापसी के बाद इंटर मियामी को एमएलएस में लगातार दूसरे मुकाबले में ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। इस सीजन यह पहला मौका था जब इंटर मियामी किसी एमएलएस मुकाबले में गोल

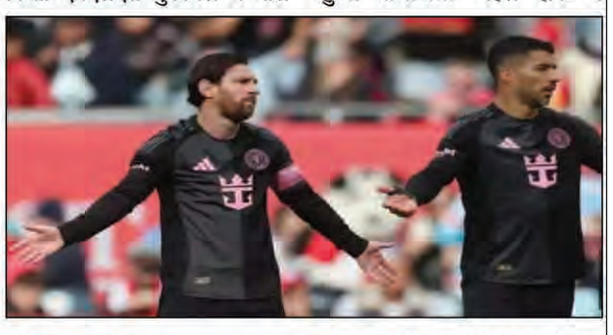

नहीं कर सका।

शिकागो फायर ने पहली बार रखा क्लीन शीट: शिकागो फायर के लिए यह इस सीजन का पहला क्लीन शीट था। टीम ने बीते तीन मैचों में दो ड्रॉ और एक हार झेली थी। इस मुकाबले में भी शिकागो ने आखिरी मिनटों में कुछ बेहतरीन मौके बनाए, लेकिन इंटर मियामी के गोलकीपर ऑस्कर उस्टारी ने शानदार बचाव कर टीम को हार से बचा लिया।

अंतिम मिनटों में मुकाबला हुआ रोमांचक: पहले हाफ में मुकाबला धीमा रहा, लेकिन दूसरे हाफ के अंतिम मिनटों में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। शिकागो के जोनाथन बम्बा और मारन हाइले-सेलासी ने भी गोल करने की कोशिश की, लेकिन किस्मत और इंटर मियामी की डिफेंस ने उन्हें सफलता नहीं दी।

द मास्टर्स 2025: रोरी मैकइलरॉय ने पूरा किया करियर ग्रैंड स्लैम, मिली ग्रीन जैकेट

एजेंसी

अगस्ता। अगस्ता नेशनल गोल्फ क्लब में इतिहास रच दिया गया, जब रोरी मैकइलरॉय ने एक रोमांचक मुकाबले में जस्टिन रोज़ को प्लेऑफ में हराकर द मास्टर्स 2025 का खिताब जीत लिया। इसी के साथ मैकइलरॉय ने करियर ग्रैंड स्लैम भी पूरा कर लिया और वो गोल्फ इतिहास में यह उपलब्धि हासिल करने वाले छठे खिलाड़ी बन गए। पूरे टूर्नामेंट में बढ़त बनाए रखने वाले मैकइलरॉय ने आखिरी दिन शुरुआत में ही दो शॉट की बढ़त गंवा दी। इसके बाद बैक-नाइन पर तीन होल में चार शॉट की बढ़त भी हाथ से निकल गई। 13वें होल पर उनकी एक गलती ने मैच को पूरी तरह रोमांचक बना दिया, जब उनका शॉट

रे क्रीक में चला गया और डबल बोगी करनी पड़ी। हालात मुश्किल होने के बाद भी मैकइलरॉय ने हार नहीं मानी। 15वें होल पर शानदार 7-आयरन से गेंद को 6 फीट तक पहुँचाया और बर्डी लगाकर बराबरी कर ली। इसके बाद 17वें होल पर 8-आयरन से बेहतरीन शॉट खेलते हुए 2 फीट तक गेंद पहुँचाई और बर्डी कर एक शॉट की बढ़त ले ली। जस्टिन रोज़ ने भी कमाल की वापसी की। 75 का स्कोर खेलने वाले रोज़ आखिरी दिन 10 बर्डी लगाकर खिताबी दौड़ में लौटे। 18वें होल पर 20 फीट की बर्डी पुट लगाकर मुकाबला प्लेऑफ में पहुँचाया। हालांकि प्लेऑफ में उनकी किस्मत ने फिर साथ नहीं दिया। प्लेऑफ में मैकइलरॉय ने तीसरे शॉट पर गेंद को 3 फीट तक पहुँचाया और बर्डी करते हुए खिताब अपने नाम किया। जीत के बाद वो घुटनों के बल बैठ गए और खुशी के आँसू बहाए।

फीडे महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप - राउंड 6 : जू वेनजुन की एक और जीत, 4-2 की बनाई बढ़त

एजेंसी

शंघाई। मौजूदा विश्व शतरंज चैम्पियन जू वेनजुन ने चैलेंजर तान झोंगयी के खिलाफ काले मोहरों से जीत दर्ज करते हुए मैच में 4-2 की अहम बढ़त बना ली है। यह उनकी पिछले चार मुकाबलों में तीसरी जीत है और शंघाई चरण का यह अंतिम मुकाबला रहा। अब मैच अगले चरण के लिए तान के गृह नगर चोंगकिंग की ओर बढ़ रहा है इस राउंड में एक बार फिर इंग्लिश ओपनिंग खेली गई, लेकिन तान ने डबल फियांचेटो सेटअप अपनाया। हालांकि, इस लाइन में उन्हें शुरुआती बढ़त नहीं मिली और जू ने ठोस और सटीक खेल के जरिए जल्दी ही नियंत्रण हासिल कर लिया। तान का घोड़ा काफी देर तक किनारे पर फंसा रहा, जिससे उनके मोहरों का तालमेल

बिगड़ा और जू को स्थिति में स्पष्ट लाभ मिला और अपने राजा को केंद्र में लाकर और मोहरों को बेहतरीन समन्वय में रखते हुए जू नें मुकाबला 59 चालों में जीत लिया। अब जू को खिताब बचाने के लिए बचे 6 मुकाबलों में केवल 2.5 अंक की आवश्यकता है।

आईपीएल 2025: सीएसके ने गायकवाड़ की जगह आयुष म्हात्रे को टीम में किया शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में अब तक खराब प्रदर्शन से जूझ रही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने बड़ा फैसला लिया है। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के चोटिल होकर पूरे सीजन से बाहर होने के बाद फ्रेंचाइजी ने मुंबई के युवा ओपनर आयुष म्हात्रे को टीम में शामिल किया है। 17 वर्षीय म्हात्रे को दो दिन में टीम से जुड़ने के लिए कहा गया है और वे जल्द ही सीएसके के स्क्वाड का हिस्सा बन सकते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए ये सीजन अब तक बेहद निराशाजनक रहा है। टीम ने सात में से केवल एक मुकाबला जीता है और लगातार पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इसी बीच कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के कोहनी में फ्रैक्चर के चलते पूरे सीजन से बाहर हो जाने से टीम की मुश्किलें और बढ़ गईं। क्रिकबज की

रिपोर्ट के अनुसार,, सीएसके मैनेजमेंट ने आयुष म्हात्रे समेत उर्विल पटेल (गुजरात), सलमान निज़ार (उत्तर प्रदेश) और पृथ्वी शॉ को ट्रायल के लिए चेन्नई बुलाया था। हालांकि, प्रदर्शन और फिटनेस के आधार पर आयुष म्हात्रे का चयन किया गया। आईपीएल 2025 की नीलामी में 30 लाख के बेस प्राइस पर भी कोई खरीदार न मिलने वाले म्हात्रे को अब बड़ा मौका मिल गया है। सीएसके अभी लखनऊ में अपना सातवां मुकाबला खेलने पहुंची है, जहां सोमवार रात वे लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ भिड़ेगी। इसके बाद टीम 20 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में उतरेगी। उम्मीद जताई जा रही है कि आयुष म्हात्रे मुंबई में ही सीएसके स्क्वाड से जुड़ेंगे। 17 वर्षीय आयुष म्हात्रे मुंबई के क्रिकेट सर्कल में उभरता हुआ सितारा हैं। अब तक खेले गए 9 फर्स्ट क्लास मैचों में वे 504 रन बना चुके हैं, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है। वहीं, 7 लिस्ट ए मुकाबलों में भी उन्होंने 458 रन बनाए हैं। पिछले साल अक्टूबर में डेब्यू करने वाले म्हात्रे को क्रिकेट विशेषज्ञ भविष्य का भारतीय खिलाड़ी मानते हैं।

दौसा में देवनगरी प्रीमियर कबड्डी लीग 2025 का हुआ भव्य शुभारंभ

दिल्ली। दिल्ली ने प्वाइंट टेबल में गंवाया शीर्ष स्थान, RCB ने राजस्थान को दिया झटका सुपर संडे में खेले गए आईपीएल 2025 के पहले मैच में जहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीत दर्ज करते हुए राजस्थान रॉयल्स को अंक तालिका में नीचे खिसका दिया। वहीं मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स पर रोमांचक जीत के बाद दिल्ली को टॉप से धकेल दिया और खुद 2 स्थान उपर 7वें पर आ गई है। अपेडिट प्वाइंट टेबल में मुंबई 6 मैचों में 2 जीत के साथ 4 अंक लेकर सातवें स्थान पर आ गई है जबकि दिल्ली 5 मैचों में 4 जीत सहित 8 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। गुजरात टाइटंस एक बार फिर टॉप पर आ गई है। राजस्थान को हार के बाद एक पादयान नीचे 8वें स्थान पर खिसकना पड़ा है।

बस मौके का इंतजार था : मुंबई के खिलाफ आक्रामक अर्धशतक लगाकर बोले करूण नायर

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के लिए आक्रामक अर्धशतक लगाकर दो सत्र बाद आईपीएल में वापसी करने वाले करूण नायर मानसिक रूप से अपना पहला मैच खेलने के लिये पूरी तरह से तैयार थे और उन्हें पता था कि कैसे खेलना है । जीत के लिये 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए करूण के 40 गेंद में 89 रन की मदद से दिल्ली ने शानदार शुरूआत की लेकिन बीच के ओवरों में लगातार विकेट गंवाकर 12 रन से मैच गंवा दिया। एक ओवर में जसप्रीत बुमराह को दो छक्के लगाने का माद्दा बहुत बल्लेबाजों ने नहीं होता लेकिन करूण ने यह कर दिखाया। उनके इस प्रदर्शन का कारण घरेलू क्रिकेट का शानदार प्रदर्शन भी है जिसमें उन्होंने विदर्भ के लिए विभिन्न प्रारूपों में पिछले सत्र में 1870 रन बनाए। टेस्ट मैच में तिहरा शतक जड़ चुके करूण ने मैच के बाद मीडिया से कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे आईपीएल पहले खेल चुका होने के कारण आत्मविश्वास था। मुझे पता

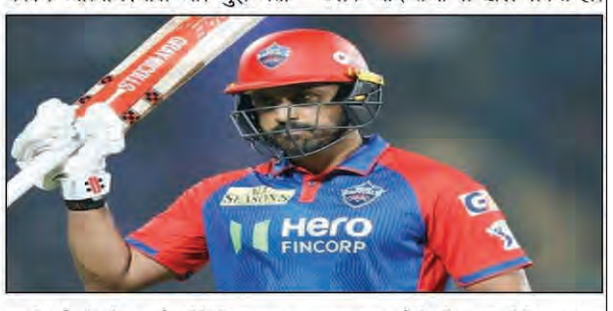

था कि कैसे खेलना है। मेरे लिए कुछ नया नहीं था। मेरे दिमाग में तैयारी पूरी थी। बस मौके का इंतजार था। कुछ गेंद खेलकर फिर लय में आने की बात थी। वर्ष 2022 में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे करूण ने पावरप्ले के दौरान पारंपरिक शॉट्स खेलने के बारे में कहा, 'मैं खुद से यही कह रहा था कि खुद को समय दो, आम शॉट खेलो और उसके बाद तेजी से खेल सकते हो। सब कुछ वैसे ही हुआ लेकिन अगर टीम जीत जाती तो अधिक खुशी होती। पिछले चार मैचों में मौका नहीं मिलने के बावजूद उन्हें यकीन था कि उन्हें मौका मिलेगा और इसके लिए वह मानसिक रूप से तैयार थे।

आईपीएल 2025: रन आउट की हैट्रिक बना मुंबई ने दिल्ली को दी मात, दर्ज की पहली जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 12 रनों से हराकर आईपीएल 2025 में अपनी हार का सिलसिला तोड़ा और पहली जीत दर्ज की। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मैच में मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 205 रन बनाए, जिसके जवाब में दिल्ली सिर्फ 193 रन ही बना सकी। मैच का निर्णायक क्षण 19वें ओवर में आया, जब मुंबई के फील्डरों ने रन आउट की हैट्रिक बनाकर दिल्ली को पटखनी दी। मजबूत बल्लेबाजी लाइन-अप वाली दिल्ली 19 ओवर में ही ऑलआउट हो गई। मुंबई की ओर से मिले 206 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को पारी की पहली ही गेंद पर जैक फ्रेजर मैकगर्क के रूप में झटका लगा। हालांकि इसके बाद अभिषेक पोरेल और करुण नायर ने दिल्ली की पारी को मजबूती दी और दोनों ने मिलकर 61 गेंदों में 119 रन जोड़ डाले। पोरेल 33 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं तीन साल बाद आईपीएल में वापसी करने वाले करुण नायर ने 89 रनों की तूफानी पारी खेली। जब नायर आउट हुए तब दिल्ली को 50 गेंदों में जीत के लिए 71 रन की जरूरत थी। यह लक्ष्य बेहद

आसान लग रहा था, लेकिन स्पिनरों के आतंक और नई गेंद की जुगलबंदी ने सारा खेल ही बदल दिया। रही रही कसर 19वें ओवर के रोमांच ने पूरा कर दिया। 18.3 ओवर तक 7 विकेट खोकर 192 रन बना लिए थे। लेकिन फिर अगली तीन गेंदों पर लगातार तीन रन आउट ने दिल्ली की उम्मीदों और करुण नायर की शानदार बल्लेबाजी पर पानी फेर दिया। मुंबई के लिए कर्ण शर्मा ने तीन और मिचेश सेंटरन ने दो विकेट झटके। जबकि दीपक चहर और जसप्रीत बुमराह के खाते में एक-एक विकेट रहा।इससे पहले, मुंबई इंडियंस ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए 205 रन का स्कोर खड़ा किया। मुंबई के लिए तिलक वर्मा और नमन धीर की जबरदस्त बल्लेबाजी का अहम योगदान रहा। तिलक ने 33 गेंदों में 59 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं नमन ने 17 गेंदों में 38 रन की तूफानी पारी खेली। दोनों ने मिलकर 33 गेंदों में 62 रन की धमाकेदार साझेदारी की। इससे पहले सूर्यकुमार यादव (40) और रायन रिकलटन (41) ने भी अपने-अपने बल्लेबाजी से मुंबई को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। दिल्ली की ओर से कुलदीप यादव और विपराज निगम ने 2-2 विकेट चटकाए, जबकि मुकेश कुमार को एक सफलता मिली।

'कंडोम बेचती है'...

नुसरत भरूचा

ने याद किया ट्रोलिंग का दौर, बोलीं- जवाब देना जरूरी हो जाता है

बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरूचा इन दिनों अपनी फिल्म 'छोरी 2' को लेकर काफी चर्चा में हैं. नुसरत की फिल्म 11 अप्रैल को अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई है. फिल्म को अच्छे रिव्यूज मिल रहे हैं. फिल्म में नुसरत के साथ एक्ट्रेस सोहा अली खान भी लीड रोल में हैं. नुसरत और सोहा दोनों की एक्टिंग की काफी तारीफ हो रही है. एक्ट्रेस इस वक्त अपनी फिल्म के प्रमोशंस के लिए कई इंटरव्यूज दे रही हैं. ऐसे ही एक इंटरव्यू में नुसरत ने ट्रोलर्स को लेकर बात की.एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग को लेकर बात की. उन्होंने बताया कि लोग लड़कियों से एक्सपेक्ट करते हैं कि वो एक सर्टेन वे से ही बीहेव करें. साथ ही नुसरत ने बताया कि यूं तो वो कॉमेंट्स ज्यादा नहीं पढ़तीं, लेकिन एक बार ऐसा हुआ था कि उन्हें भी लोगों की बातों का जवाब देना पड़ गया था.

ऑनलाइन ट्रोलिंग पर नुसरत ने क्या कहा ?

ब्रूट के साथ बातचीत में नुसरत ने ऑनलाइन ट्रोलिंग को लेकर बात की. उन्होंने कहा कि लोग चाहते हैं कि लड़कियां जैसे वो चाहते हैं वैसे ही बर्ताव करें, और जब कोई लड़की कुछ अलग या ऑफ रूट काम करती है तो लोगों से ये बात बर्दाश्त नहीं होती. अपने पोस्ट पर आने वाले कॉमेंट्स पढ़ने के सवाल पर नुसरत ने बताया कि हां वो कॉमेंट्स पढ़ती हैं, हालांकि, वो पूरे नहीं पढतीं. इसके बाद ट्रोलिंग को लेकर हो रहे सवाल पर नुसरत ने एक किस्सा शेयर किया.

'जनहित में जारी' का जिक्र

नुसरत ने साल 2022 में आई अपनी फिल्म 'जनहित में जारी' का जिक्र किया. उन्होंने बताया कि उस वक्त इस फिल्म के लिए एक कैंपेन चलाया गया था. नुसरत ने बताया कि उस फिल्म के लिए कुछ पोस्टर्स डिजाइन किए गए थे, जिनको फिल्म के सब्जेक्ट के हिसाब से सोशल मीडिया पर एक कैंपेन की तरह शेयर किया गया था. नुसरत ने बताया कि उनको और उनकी टीम को ये बात पता थी कि इस कैन्पेन में लोगों के कॉमेंट्स आएंगे, लेकिन फिर भी वो कॉमेंट्स ऐसे थे कि नुसरत को जवाब देना पड़ गया. नुसरत ने बताया कि लोगों ने कहा कि वो 'डी ग्रेड' एक्ट्रेस हैं और 'कंडोम बेचती हैं'बातचीत में नुसरत ने बताया कि उन्होंने कॉमेंट्स पढ़ने के बाद उसी वक्त अपना फोन का कैमरा खोला और एक वीडियो बनाया. इसके बाद उन्होंने ट्रोलर्स को जवाब दिया. नुसरत ने बताया कि वो कॉमेंट्स इतने खराब थे कि उनसे रहा नहीं गया और इसलिए अंत में उन्होंने जवाब दिया. नुसरत ने कहा कि जब भी कॉमेंट्स पढ़ते हैं तो उसमें कई तरह की बातें होती हैं. नुसरत ने ये भी कहा कि कई लोग उन्हें ये भी बताते हैं कि वो कैसी लग रही हैं. कई अच्छे कॉमेंट्स भी होते हैं.

आलिया भट्ट

अनन्या के बाद अब शनाया कपूर की बारी, 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3' की शूटिंग इस दिन होगी शुरू

संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर के पास एक्टिंग में डेब्यू करने से पहले ही कई सारे प्रोजेक्ट्स हैं. शनाया कपूर की बॉलीवुड में एंट्री का लंबे वक्त से इंतजार किया जा रहा है. हालांकि शनाया ने इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले अपनी पूरी तैयारी की है. फिल्मों के साथ-साथ उनके पास OTT के प्रोजेक्ट्स भी मौजूद हैं. इसके अलावा वो धर्मा प्रोडक्शन की हिट फ्रेंचाइजी 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के तीसरे पार्ट की लीड हीरोइन होने वाली हैं. चलिए जानते हैं कि किस से शनाया SOTY 3 की शूटिंग शूरू करेंगी.'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3' को एक वेब सीरीज की तरह बनाया जा रहा है. इसी बीच पता चला है कि इसकी शूटिंग 20 अप्रैल, 2025 से शुरू होने वाली है. मिड-डे की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस में बनने वाली कैंपस ड्रामा 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3' इसी महीने मुंबई में फ्लोर पर आने वाली है. यह छह एपिसोड का शो होगा, जिसका डायरेक्शन रीमा माया करेंगी. इस सीरीज के साथ रीमा डायरेक्शन में डेब्यू करने जा रही हैं.

इस दिन शुरू होगी SOTY 3 की शूटिंग

रिपोर्ट के मुताबिक शनाया कपूर स्टारर इस सीरीज की शूटिंग 30 दिनों में पूरी की जाएगी. सूत्र ने बताया, पिछले छह सालों से SOTY 3 पर काम चल रहा था. आखिरकार, करण ने हरी झंडी दे दी है और यूनिट 20 अप्रैल से इसकी शूटिंग शुरू करने की प्लानिंग कर रही है. छह एपिसोड की शूटिंग के लिए 30 दिनों से ज़्यादा का टाइट शेड्यूल होगा.हाल ही में आई रिपोर्ट्स के अनुसार शनाया इस शो में डबल रोल में नजर आएंगी. उम्मीद है कि यह सीरीज जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम की जाएगी.

'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से लॉन्च हुए कई चेहरे

'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' फ्रैंचाइज़ की पिछली फ़िल्मों ने बॉलीवुड में कई नए चेहरे लॉन्च किए हैं. साल 2012 में आई 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से आलिया भट्ट, वरुण धवन और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपने-अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. साल 2019 के सीक्वल में अनन्या पांडे और तारा सुतारिया ने डेब्यू किया था. अब SOTY 3 शनाया कपूर का पहला OTT प्रोजेक्ट होगा.

विजय वर्मा संग ब्रेकअप के बाद चिरंजीवी ने तमन्ना भाटिया को दी खास सलाह! अब सच आया सामने

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा के अलग होने की खबर लंबे समय से आ रही है. भले ही दोनों सितारों ने अभी तक अपने ब्रेकअप की खबरों पर चुप्पी साधे रखी हो, लेकिन सभी को यकीन हो गया है कि अब ये दोनों साथ नहीं हैं. ब्रेकअप की वजह को लेकर अलग-अलग अंदाजे लगाए जा रहे थे. किसी का कहना था कि विजय वर्मा ने तमन्ना से शादी करने से इनकार कर दिया था, इसलिए एक्ट्रेस ने उन्हें छोड़ दिया. अब कहानी कुछ और ही सामने आई है. तमन्ना और विजय के अलग होने की असली वजह सामने आ गई है.विक्की लालवानी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है. इस पोस्ट में तमन्ना और विजय के रिश्ते को लेकर काफी कुछ लिखा है. रिपोर्ट की मानें तो ऐसी अफवाहें थीं कि तमन्ना के पिता विजय संग उनके रिश्ते को लेकर खुश नहीं हैं. वो अपनी हर बात खुलकर रखने वालों में से हैं और एक्ट्रेस के पिता विजय के खिलाफ भी थे. हालांकि अब सच्चाई ये बताई जा रही है कि तमन्ना के पिता ने दोनों के रिश्ते को वक्त के साथ अपना लिया था. उनके हिसाब से दोनों 2024-25 तक शादी भी करने वाले थे.

इस बात से परेशान हो चुकी थीं तमन्ना

लेकिन उन्होंने जब अपनी बेटी से पूछा कि अब वो अपनी शादी को लेकर ढील क्यों बरत रही हैं, तो जवाब जानकर वो हैरान रह गए. तमन्ना ने अपने माता-पिता से कहा कि वह विजय से शादी करने के लिए तैयार नहीं हैं. एक्ट्रेस ने अपने माता-पिता को बताया कि उन्हें अब यह महसूस नहीं होता कि विजय उनके लिए कमिटेड हैं. वह पब्लिक प्लेसेस पर विजय के साथ बार-बार दिखने को लेकर भी परेशान हो चुकी थीं, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि ऐसा विजय के कहने पर होता था.

चिरंजीवी ने दी थी तमन्ना को खास सलाह

जब तमन्ना के माता-पिता ने उमसे पूछा कि वह अपने इस फैसले को लोगों को कैसे बताएगी, तो तमन्ना ने उनसे कहा कि इसके बारे में पब्लिक में बताने की कोई ज़रूरत नहीं है. लेकिन इस दौरान तमन्ना के फैमली फ्रेंड और साउथ स्टार चिरंजीवी ने उन्हें गाइड किया. रिपोर्ट की मानें तो चिरंजीवी ने तमन्ना को सलाह देते हुए कहा कि बेहतर होगा कि वह अपने ब्रेकअप की खबर मीडिया तक पहुंचाएं. बता दें, चिरंजीवी तमन्ना और उनके परिवार के बहुत करीब हैं, क्योंकि उन्होंने 'सई रा नरसिम्हा रेड्डी' में एक साथ काम किया है.

प्रियंका-निक ने 3 साल की बेटी को लेकर लिया ऐसा फैसला, नन्ही परी के इस काम से हैरान हैं दोनों

बॉलीवुड में अक्सर ऐसा देखा जाता है कि सेलेब्स की राह पर चलते हुए उनके बच्चे भी फिल्मी दुनिया में ही करियर बनाते हैं. जबकि कई सेलेब्स के बच्चों ने अपनी अलग राह चुनी और अलग पहचान बनाई. हालांकि सेलेब्स अक्सर ही अपने बच्चों के करियर को लेकर चिंतित रहते हैं और ये चिंता कम उम्र में ही शुरू हो जाती है.

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस की बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस अभी महज तीन साल की हैं, लेकिन अभी से ये खबरें शुरू हो गईं कि दोनों की लाडली आखिर बड़ी होकर क्या बनेंगी ?प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस की बेटी मालती एक चर्चित स्टार किड हैं.

बेटी को लेकर दोनों ने एक बड़ा फैसला लिया है. हाल ही में निक एक शो पर पहुंचे थे, इस दौरान उन्होंने बेटी के फ्यूचर को लेकर बात की. उनसे जब पूछा गया कि क्या उनकी बेटी शोबिज में एंट्री लेंगी ? इस पर निक ने जो जवाब दिया वो सुर्खियां बटोर रहा है.

क्या शोबिज में एंट्री लेंगी प्रियंका की बेटी ?

फैंस के बीच चर्चा चल रही है कि क्या निक और प्रियंका की तरह ही उनकी बेटी मालती भी शोबिज में कदम रखेंगी. ये सवाल हाल ही में निक से 'द केली क्लार्कसन' शो में भी पूछा गया था. इस पर उन्होंने मनोरंजन को एक शानदार करियर बताते हुए कहा कि उसे क्या करना है ये उसका फैसला होगा. हमने (प्रियंका और निक) इसके बारे में बहुत बात की है. वहीं बेटी की पसंद को बताते हुए निक ने आगे कहा, हमारी तीन साल की बेटी को गाना पसंद है.

बेटी जो भी करें, अपनी मर्जी से करें...

निक ने आगे कहा, मैंने और प्रियंका ने अपने करियर में काफी कुछ देखा है. हम नहीं चाहते कि हमारी बेटी को भी वो फेस करना पड़े. पैरेंट्स का काम बच्चों की सुरक्षा करना होता है. इसके साथ ही उन्हें खुलकर जीवन जीने देना चाहिए. निक ने बेटी को लेकर कहा वो जो भी करें, अपनी मर्जी से करें.

सरोगेसी से हुआ था मालती का जन्म

प्रियंका और निक ने साल 2018 में राजस्थान के उदयपुर में हिंदू और क्रिश्चियन वेडिंग की थी. इसके बाद कपल ने साल 2022 में बेटी का वेलकम किया. 15 जनवरी 2022 को उनका जन्म सरोगेसी के जरिए हुआ था. अब मालती करीब तीन साल तीन महीने की हो चुकी हैं.

राष्ट्रपति शासन में कराए जाएं अगले साल चुनाव: शुभेंदु

'पुलिस सत्ताधारी पार्टी के कैडर की तरह काम कर रही'

कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता विपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने मांग की है कि अगले साल बंगाल विधानसभा चुनाव राष्ट्रपति शासन में कराए जाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुर्शिदाबाद जिले में हुई हिंसा के दौरान कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई। अधिकारी ने कहा कि मुर्शिदाबाद, सुती, धुलियान, जंगीपुर और शमशेरगंज में जो अशांति है, वह राज्य सरकार की नाकामी है कि वह आम नागरिकों की सुरक्षा नहीं कर सकी और शांति व्यवस्था कायम नहीं रख सकी।

'पुलिस सत्ताधारी पार्टी के कैडर की तरह काम कर रही'

भाजपा नेता ने दावा किया कि जब उन्मादी भीड़ तोड़फोड़ और तबाही कर रही थी तो सत्ताधारी पक्ष मूकदर्शक बना सब देख रहा था। मीडिया से बात करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि 'जब भी हिंदू अल्पसंख्यक हुए हैं तो उन्हें वोट देने से रोका गया है। पुलिस सत्ताधारी पार्टी के कैडर की तरह काम करती है। मुक्त और पारदर्शी चुनाव के लिए अगले साल विधानसभा चुनाव राष्ट्रपति शासन के तहत कराए जाने चाहिए।'

'हिंसा के पीछे जिहादी तत्व'

बंगाल के नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि 'हालिया हिंसा के पीछे

जिहादी तत्व हैं। इन लोगों को खुला घुमने की मंजूरी मिली हुई है। हम उनका सामना करने के लिए तैयार हैं, लेकिन बराबरी का मुकाबला होना चाहिए। चुनाव आयोग को गंभीरत से अगले साल विधानसभा चुनाव राष्ट्रपति शासन में कराने पर विचार करना चाहिए।' गौरतलब है कि वक्फ कानून के विरोध में बंगाल में हो रहे प्रदर्शन हिंसक हो गए हैं, जिसके चलते तीन लोगों की मौत हो चुकी है और कई अन्य घायल हुए हैं। मुर्शिदाबाद से सैंकड़ों लोग पलायन कर माल्दा पहुंच गए हैं। जहां वे कैंपों में रह रहे हैं।

शुभेंदु अधिकारी के आरोपों पर टीएमसी नेता फिरहाद हकीम ने कहा कि 'लोग बंगाल में ही रह रहे हैं, राज्य छोड़कर नहीं भाग रहे। प्रशासन सभी का ख्याल रख रहा है और हालात को सामान्य करने की कोशिश हो रही है। हिंसा दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन पुलिस दोषियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।'

मुर्शिदाबाद हिंसा की जांच एसआईटी से कराने की मांग पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा की जांच अदालत की निगरानी में विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। वकील शशांक शेखर झा ने यह याचिका दायर की है। इसमें सुप्रीम कोर्ट से पश्चिम बंगाल सरकार और केंद्रीय गृह मंत्रालय से कानून-व्यवस्था की विफलता के लिए जवाब मांगने का भी आग्रह किया गया है।

'राजनीतिक लाभ के लिए आंबेडकर का नाम इस्तेमाल कर रहा विपक्ष'

नई दिल्ली

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती पर विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने सिर्फ बाबासाहेब के नाम का इस्तेमाल किया है, लेकिन उनके विचारों और संघर्षों को कभी नहीं अपनाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष आंबेडकर के योगदान का सम्मान नहीं करता है और ना ही उनके जीवन से जुड़े स्थानों पर विकास कर रहा है। बता दें कि आज देशभर में डॉ. बीआर आंबेडकर की 135वीं जंयती मनाई जा रही है। इसी दौरान एक न्यूज एजेंसी से बात करते हुए वीरेंद्र कुमार ने ये बातें कही। केंद्रीय मंत्री ने आगे कांग्रेस की ओर इशारा करते हुए कहा कि जब वे सत्ता में थे, तब उन्होंने कई बार संविधान का उल्लंघन किया और अपने स्वार्थ के लिए आपातकाल भी लगाया। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने संविधान को ऐसा बनाया कि उसमें जरूरत के अनुसार संशोधन हो सके, लेकिन उसका मूल उद्देश्य न्याय, समानता और एकता को हमेशा बनाए रखना है।

पिछड़ा वर्ग के लिए केंद्र सरकार के काम पर जोर

साथ ही केंद्रीय मंत्री ने पिछड़ा वर्ग के लिए केंद्र सरकार के काम पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया, जो विपक्ष लंबे समय तक सत्ता में रहते हुए भी नहीं कर सका। उन्होंने कहा कि पंचायत से लेकर संसद तक 56 साल तक शासन करने वालों ने आयोग को संवैधानिक दर्जा नहीं दिया, लेकिन मोदी जी ने यह करके दिखाया। कुमार ने कहा कि भाजपा ने संविधान को सर्वोच्च सम्मान दिया है और हमारे लिए संविधान देश की आत्मा है।

डॉ. आबंडकर को दी श्रद्धांजलि

अपने बयान के अंत में केंद्रीय मंत्री डॉ. आंबेडकर को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि बाबासाहेब ने एक छोटे परिवार से आकर, भेदभाव और अपमान सहते हुए भी अपनी शिक्षा पूरी की और समाज के सामने सवाल उठाया कि देश में भेदभाव क्यों है। उनके जीवन से हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए।

ममता की दंगाइयों को चेतावनी- कोई भी हों, कानून अपने हाथ में न लें

कोलकाता

पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून के विरोध में जारी हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। अब सीएम ममता बनर्जी का सब्र भी लग रहा है कि जवाब दे रहा है और उन्होंने दंगाइयों को चेतावनी दी है कि आप ए, बी, सी, डी, ई, एफ कोई भी, लेकिन कानून को अपने हाथ में न लें। उन्होंने साथ ही लोगों से शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने की भी अपील की और कहा कि हम उपेक्षितों और पीड़ितों के साथ खड़े हैं।

'हम सभी के साथ खड़े हैं'

एक कार्यक्रम में ममता बनर्जी ने कहा कि 'धर्म के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। धर्म का मतलब है भक्ति, स्नेह, मानवता, शांति, सौहार्द, संस्कृति, सद्भाव और एकता है। इंसानों से प्यार करना किसी भी धर्म की सर्वोच्च अभिव्यक्तियों में से एक है। हम अकेले पैदा होते हैं और अकेले मरते हैं, तो लड़ाई क्यों? दंगे, युद्ध या अशांति क्यों? याद रखें, अगर हम लोगों से प्यार करते हैं तो हम सब कुछ जीत सकते हैं। लेकिन अगर हम खुद को अलग-थलग कर लेंगे, तो हम किसी को भी नहीं जीत पाएंगे। अगर किसी पर हमला होता है, चाहे वह उपेक्षित हो, उत्पीड़ित हो, वंचित

हो, हाशिए पर हो या किसी भी धर्म से हो - हम सभी के साथ खड़े हैं।'

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, "पहला बैसाख से पहले, मैं आप सभी से कहूंगी कि सभी को अनुमति के साथ शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक आंदोलन करने का अधिकार है। गौरतलब है कि सोमवार को भी दक्षिण 24 परगना जिले में इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के समर्थक पुलिस से भिड़ गए। इस दौरान जमकर बवाल हुआ। हिंसा में कई लोग घायल हुए और कई पुलिस वाहनों को आग लगा दी गई। यह झड़प तब हुई, जब पुलिस ने आईएसएफ समर्थकों को पार्टी के नेता और भांगर विधायक नौशाद सिद्दीकी की कोलकाता में हुई रैली में जाने से रोकने की कोशिश की। पुलिस का कहना है कि इस रैली के लिए पुलिस की अनुमति नहीं थी।

कैसे भड़की हिंसा

पुलिस ने बताया रैली में शामिल होने कोलकाता जा रहे आईएसएफ समर्थकों को दक्षिण 24 परगना में बसंती राजमार्ग पर भोजेरहाट के पास रोका गया। यहां पर मीनाखान और संदेशखाली से भी बड़ी संख्या में आईएसएफ समर्थक भी इकट्ठा थे। पुलिस द्वारा रोके जाने पर भीड़ ने बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की, जिससे तनाव बढ़ गया।

बलात्कार के अपराधी को 23 दिन में सजा, 1.5 करोड़ आरोपियों के फिंगर प्रिन्ट तैयार

नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) द्वारा आयोजित अखिल भारतीय न्यायालयिक विज्ञान सम्मेलन 2025 को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित किया। शाह ने कहा, देश में अभी दोषसिद्धि दर 54 प्रतिशत है। नए कानूनों में आतंकवाद को परिभाषित किया गया है। वॉयस लॉग और डिजिटल वॉइस मेल को भी स्थान दिया गया है। बीएनएसएस में ऑडियो, वीडियो रिकॉर्डिंग, फॉरेंसिक साक्ष्य की वीडियोग्राफी और पूछताछ में

डिजिटल रिकॉर्ड को कानूनी आधार देने की भी व्यवस्था की गई है। पुलिस, अभियोजन और न्यायिक तंत्र के लिए समय-सीमा तय कर निर्धारित अवधि में न्याय सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि इसके परिणाम भी मिलने लगे हैं। कुछ मामलों में बलात्कार के अपराधी को 23 दिन में सजा हो गई और 100 दिन के अंदर ट्रिपल मर्डर केस को सुलझा कर दोषी को सजा दे दी गई है। गृह मंत्री ने कहा कि यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि ट्रायल में टेक्निकल एविडेंस को मान्यता दी गई। साथ ही, पूरे देश के डिजिटल सिस्टम को डिजिटाइज करने का प्रयास किया गया है।

'15 दिन में आएगी नई टोल नीति', केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का बड़ा एलान

नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि भारत तभी 'विश्वगुरु' बन सकता है जब हम अंतरराष्ट्रीय स्तर का बुनियादी ढांचा तैयार करेंगे। अमर हिंद मंडल द्वारा आयोजित 78वें वसंत व्याख्यान माला में गडकरी ने कहा, 'अगर हम अपने देश का विकास करना चाहते हैं, अगर हम अपने देश को विश्वगुरु बनाना चाहते हैं, अपने देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना चाहते हैं, अपने देश को पांच

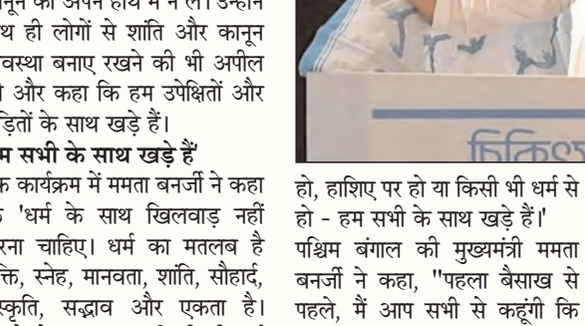

अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना चाहते हैं, तो पहली आवश्यकता देश में अंतरराष्ट्रीय स्तर का बुनियादी ढांचा तैयार करना है।'

'आयात को कम करके निर्यात बढ़ाना होगा'

नितिन गडकरी ने कहा कि 'अगर भारत को 'विश्वगुरु' बनना है, तो हमें आयात कम करना होगा और निर्यात बढ़ाना होगा, लॉजिस्टिक्स लागत को एक अंक पर लाने का प्रयास करना होगा।' उन्होंने कहा, 'आने वाले समय में मुंबई में वायु और जल प्रदूषण दोनों पर काम करने की जरूरत है।' गडकरी ने आगे कहा कि 'हमने कभी गुणवत्ता से समझौता नहीं किया, मैंने ठेकेदारों को कहा है कि गुणवत्ता अच्छी होनी चाहिए, वरना आपको जेल या ब्लैक लिस्ट में डाल दिया जाएगा।' टोल को लेकर उन्होंने कहा कि '15 दिन के अंदर ऐसी नीति आ जाएगी, जिससे टोल के बारे में कोई शिकायत नहीं रहेगी।'

दिल्ली में गर्मी से सब बेहाल, तीन दिन होगा और बुरा हाल; तापमान पहुंचेगा 42 डिग्री

नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में मौसम हर सप्ताह बदल रहा है। कभी गर्मी और लू हाल-बेहाल कर रही है तो कभी आंधी और बारिश की फुहारें मौसम को सुहावना बना रही हैं। अब गर्मी से मिली फौरी राहत के बाद तीन दिन के लिए लू वापसी कर रही है। इससे तापमान में इजाफा होगा और गर्मी हाल बेहाल करेगी। ऐसा 16 अप्रैल से पश्चिमी हिमालयन क्षेत्र में आ रहे पश्चिमी विक्षोभ के कारण होगा। इससे तापमान भी 40-42 डिग्री के बीच पहुंच जाएगा।

नीचली सतह पर चलेगी हवाएं

पहाड़ों में पश्चिमी विक्षोभ के दस्तक देने के दो से तीन दिन बाद मैदानी इलाकों में निचली सतह पर हवाएं तेज होंगी। इससे चढ़ते पारे पर ब्रेक लगेगा और तापमान में तीन से चार डिग्री की गिरावट दर्ज होगी। यह राहत 20 से 21 अप्रैल के बीच देखने को मिलेगी। बीते सप्ताह चली आंधी और हल्की बारिश से तापमान में गिरावट देखने को मिली थी। तापमान में बढ़ोतरी शुरू हुई और तेज धूप गर्मी का अहसास फिर कराने लगी। इस कारण से सोमवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक 37.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 0.6 डिग्री से अधिक 21.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

अब 15 अप्रैल को अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री रहने का अनुमान है। आसमान साफ रहेगा और 20-30 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज सतही हवाएं चलेंगी।

'हमारे पायलट मुश्किलों से निपटने के लिए तैयार'

नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना ने म्यांमार के मांडले अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास जीपीएस सिस्टम में गड़बड़ी की स्थिति में भी अपने मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया। वायुसेना ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट कर यह जानकारी दी। जहां भारतीय वायुसेना ने कहा कि मांडले अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे द्वारा जारी नोटिस (एनओटीएएम) में जीपीएस की खराब उपलब्धता की जानकारी दी गई थी, लेकिन हमारे

पायलटों के द्वारा ऐसी स्थिति से निपटने के लिए सभी जरूरी सावधानियां पहले ही ले ली गई थी। बता दें कि भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने बताया कि पिछले महीने म्यांमार में भूकंप राहत सामग्री लेकर जा रहे उसके कुछ विमानों को यानी जीपीएस सिस्टम में गड़बड़ी का सामना करना पड़ा था। लेकिन वायुसेना ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके पायलट ऐसी तकनीकी चुनौतियों से निपटने में पूरी तरह सक्षम हैं और हर मिशन को योजना के अनुसार सफलतापूर्वक पूरा किया गया। अपने ट्वीट में वायुसेना ने आगे कहा कि हमारे पायलट ऐसी जीपीएस की कमी जैसी तकनीकी समस्याओं से निपटने में पूरी तरह सक्षम हैं

नए वक्फ कानून के खिलाफ माकपा भी पहुंची सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली

नए वक्फ कानून को लेकर देशभर में सियासी गर्माहट दिन-प्रतिदिन और तेज होता हुआ जा रहा है। विपक्षी दल और कई मुस्लिम लीग इस कानून के विरोध में प्रदर्शन कर रहे है। इतना ही नहीं देश के कई हिस्सों में विरोध इतना तेज हो गया है कि प्रदर्शन के दौरान हिंसा की भी खबरें सामने आ रही है। इसी बीच अब इस कानून के विरोध में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) ने भी सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। वक्फ कानून के विरोध में आए सीपीआई ने सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर की है। बता दें कि अब तक इस मामले में दर्जनों याचिका दायर की जा चुकी है, जिसपर 16 अप्रैल को सुनवाई होनी है। सीपीआई के महासचिव डी. राजा की ओर से दायर इस रिट याचिका में कहा गया है कि यह कानून संविधान में दिए गए धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकारों का उल्लंघन करता है।

मुंबई ही नहीं, दिल्ली भी थी निशाने पर: आरोपी राणा

नई दिल्ली

2008 मुंबई हमले का आरोपी तहव्वुर राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पित कर भारत लाने के साथ ही उससे पूछताछ जारी है। इसी बीच एक विशेष एनआईए अदालत ने तहव्वुर राणा के साजिश को लेकर एक बड़ी टिपण्णी की है। कोर्ट ने पाया है कि मुंबई 26/11 आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर हुसैन राणा ने भारत की राजधानी नई दिल्ली को भी हमले का निशाना बनाने की साजिश रची थी। अदालत के मुताबिक, यह साजिश भारत की सीमाओं से बाहर तक फैली हुई थी। बता दें कि मामले में विशेष एनआईए न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने बीते 10 अप्रैल को दिए अपने आदेश में कहा था कि

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा पेश की गई सामग्री से यह स्पष्ट होता है कि यह मामला राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ा है और इसमें गहरी साजिश छिपी है। न्यायाधीश ने कहा कि रिकॉर्ड में मौजूद सबूत बताते हैं कि साजिश देश के कई शहरों, खासकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, को निशाना बनाने की योजना से जुड़ी थी।

प्रतिदिन 10 घंटे तक हो रही पूछताछ

मुंबई आतंकी हमलों के मुख्य साजिशकर्ता तहव्वुर हुसैन राणा से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अधिकारी रोजाना आठ से दस घंटे पूछताछ कर रहे हैं ताकि इस हमले के पीछे की बड़ी साजिश का पता लगाया जा सके।आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि एनआईए के अधिकारी राणा की मेडिकल जांच सुनिश्चित कर रहे हैं और उसे उसके वकील से मिलने की भी इजाजत दी जा रही है। दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार सुबह उसे अमेरिका से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद तहव्वुर राणा को पूछताछ के लिए 18 दिनों की एनआईए हिरासत में भेजने का आदेश दिया। इस मामले में कोर्ट ने कहा था कि यह मामला सिर्फ एक व्यक्ति के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है, जिसमें गहराई से जांच जरूरी है। इसलिए एनआईए को इस मामले में पूरी तरह जांच करने का मौका मिलना चाहिए। पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक तहव्वुर राणा को अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रत्यर्पण याचिका खारिज करने के बाद 4 अप्रैल को भारत लाया गया। वह डेविड हेडली का करीबी सहयोगी है, जो मुंबई हमले का मुख्य साजिशकर्ता था।

भारत और अमेरिका के रिश्ते पर चीन ने गड़ाई निगाह

नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूरी दुनिया को हिला रखा है। चीन को लेकर उनके दिमाग में अलग रणनीति चल रही है। भारत के लिए चीन महत्वपूर्ण पड़ोसी देश है, लेकिन अमेरिका से संबंध उसकी विकास यात्रा में पंख लगा सकते हैं। भारत की मंशा पर चीन के पर्यवेक्षकों ने बारीकी से निगाह गड़ा रखी है। इन दिनों वाणिज्य भवन में काफी हलचल है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल काफी बड़ी मशक्कत कर रहे हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर राष्ट्रपति ट्रंप के रणनीतिकारों को यह समझाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं कि भारत अमेरिका का विश्वसनीय, सामरिक, रणनीतिक साझीदार देश है।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397